राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,१२अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -७८ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र में लॉकडाउन की आहट! मुंबई में होगी शराब की होम डिलिवरी

मुंबई। कोरोना संक्रमण के तेजी से खराब होते हालात को काबू में करने के लिए महाराष्ट्र सरकार दो से तीन हफ्ते के लिए संपूर्ण लॉकडाउन पर विचार कर रही है। सरकार ने पहले ही वीकेंड लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू जैसे कदम उठाए हैं। इस बीच, बृहन्मुंबई पालिका परिषद (बीएमसी) ने महानगर में सुबह सात बजे से रात आठ बजे तक शराब की होम डिलिवरी की अनुमति दे दी है। होम डिलिवरी करने वाले कर्मचारियों को कोरोना से बचाव के सभी नियमों का पालन करना होगा। वहीं, शनिवार शाम हुई सर्वदलीय बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि राज्य में कोरोना की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए लॉकडाउन के सिवाय दूसरा कोई विकल्प नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए कठिन निर्णय लेने का वक्त आ गया है। अब लॉकडाउन के सिवाय कोई और विकल्प नहीं दिख रहा है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक चह्वाण ने सुझाव दिया कि सख्त पाबंदियां लगाते समय जरूरतमंद वर्ग का ख्याल रखा जाना चाहिए। साथ ही, सरकार द्वारा लिए गए निर्णय को जनता तक ठीक से पहुंचाया जाना चाहिए, ताकि भ्रम की स्थिति से बचा जा सके। बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार रात से लेकर सोमवार सुबह 7 बजे तक वीकेंड लॉकडाउन भी लागू कर दिया है। इस दौरान भोजन और आवश्यक आपूर्ति की होम डिलीवरी और विभिन्न परीक्षा देने वाले छात्रों की आवाजाही की अनुमति है।

आज से देशभर में शुरू हो रहा 'टीका उत्सव',

पीएम मोदी ने की देशवासियों से वैक्सीन लगवाने की अपील

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी की स्थिति एक बार फिर से बिगड़ गई है। कोरोना के खिलाफ हमारे पास अभी सबसे कारगर हथियार वैक्सीन ही है। इसी मुहिम को और तेज करने के लिए आज से देशभर में 'टीका उत्सव' शुरू किया जा रहा है। इसका लक्ष्य देश में ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाना है। देशभर में आज से महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती से देशभर में टीका उत्सव शुरू होगा।

इस पर पीएम मोदी ने कहा है कि हम आज देशभर में 'टीका उत्सव' शुरू करने जा रहे हैं। मैं देशवासियों से आग्रह करता हूं कि वे 4 चीजों का पालन करें - जिन लोगों को टीका लगवाने में मदद की जरूरत है, COVID उपचार में लोगों की मदद करें, मास्क पहनें और दूसरों को प्रेरित करें और यदि कोई व्यक्ति सकारात्मक परीक्षण करता है, तो क्षेत्र में सूक्ष्म-नियंत्रण क्षेत्र बनाएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर देश में 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अधिकतम योग्य लाभार्थियों का टीकाकरण करना है। 'टीका उत्सव' के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे कई राज्य योग्य लोगों से टीका लगवाने की अपील कर रहे हैं। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी लोगों से अपील की है कि टीका उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में वो टीका लगवाएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर देश में 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक टीका उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अधिकतम योग्य लाभार्थियों का टीकाकरण करना है। 'टीका उत्सव' के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे कई राज्य योग्य लोगों से टीका लगवाने की अपील कर रहे हैं। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी लोगों से अपील की है कि टीका उत्सव के दौरान बड़ी संख्या में वो टीका लगवाएं।

पीएम मोदी ने की थी अपील

देशभर में आज से शुरू हो रहे 'टीका उत्सव' की अपील पीएम मोदी ने की थी। पीएम मोदी ने कहा था कि हमें विशेष अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक योग्य लाभार्थियों का टीकाकरण करना चाहिए और इसकी बर्बादी बिल्कुल नहीं हो इस पर विचार करना चाहिए। देश में कोरोना की स्थिति और टीकाकरण अभियान की गुरुवार को मुख्यमंत्री के साथ समीक्षा के दौरान पीएम मोदी ने अपील की थी कि उन सभी लोगों का टीकाकरण कराने पर ध्यान केंद्रित करें जो 45 साल से अधिक उम्र के हैं। उन्होंने कहा था कि कभी-कभी इससे माहौल बदलने में मदद मिलती है। ज्योतिबा फुले की जयंती 11 अप्रैल को है और 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जयंती है। क्या हम टीका उत्सव का आयोजन कर सकते हैं और टीका उत्सव का माहौल बना सकते हैं।

देश में तेजी से बढ़ते जा रहे कोरोना संक्रमण के मामलों पर चिंता जताते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए फिर से युद्ध स्तर पर काम करना आवश्यक है। पीएम मोदी ने कहा कि देश ने पिछले साल बगैर टीके के कोविड-19 से लड़ाई जीती थी, इसलिए आज भयभीत होने की जरूरत नहीं है।

शोपियां में सुरक्षाबलों ने ढेर किए 3 आतंकी, 14 साल का नाबालिग भी शामिल

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेढ़ में 3 आतंकी ढेर हुए हैं। घटना शोपियां के हादीपोरा की है। मारे गए आतंकियों में एक 14 साल का नाबालिग भी था, जिसे सरेंडर कराने की कोशिशें की गईं लेकिन सफलता नहीं मिली और उसे मार गिराया गया। नाबालिग के माता-पिता ने भी उससे सरेंडर करने को कहा लेकिन अन्य आतंकियों ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। एक पुलिस अधिकारी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि दक्षिण कश्मीर में शोपियां जिले के हादीपुरा में आतंकवादियों की मौजदूगी की गुप्त जानकारी मिली थी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। उधर, अनंतनाग

जिले में एक और मुठभेड़ जारी है। दक्षिण कश्मीर के इस जिले के बिजबेहरा इलाके के सेमथान में आतंकवादियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने घेराबंदी एवं तलाशी अभियान चलाया। जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि विस्तृत जानकारी का इंतजार है। शोपियां में पिछले कुछ दिनों से लगातार एनकाउंटर हो रहे हैं। 9 अप्रैल को भी शोपियां में मुठभेड़ हुई थी, जिसमें 5 आतंकवादी मारे गए थे। मारे गए 5 आतंकियों में से 2 आतंकी मस्जिद में से फायरिंग कर रहे थे।

दोबारा संक्रमण का खतरा बढ़ा, 20-30 प्रतिशत लोगों ने कोरोना के खिलाफ 6 महीने में ही गंवाई इम्युनिटी

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर से हाहाकार मचा हुआ है। हर दिन कोरोना संक्रण के दैनिक मामले रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं और भारत अमेरिका के बाद दुनिया का दूसरा ऐसा देश बन गया है, जहां एक दिन में डेढ़ लाख से अधिक केस मिले हैं। कोरोना की दूसरी लहर के कहर के बीच एक और डराने वाली बात सामने आई है। एक नए अध्ययन में पता चला है कि करीब 20 से 30 फीसदी लोगों ने कोरोना के खिलाफ 6 महीने में प्राकृतिक इम्युनिटी गंवा दी है और इससे दोबारा संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। कोरोना वायरस के खिलाफ प्राकृतिक इम्युनिटी कितने दिनों तक बनी रहती है? यह सवाल उनके मन में ज्यादा है जो इस महामारी से संक्रमित हुए हैं और उबरे हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटिग्रेटिव बायोलॉजी की एक नई स्टडी में दावा किया गया है कि कोरोना वायरस के खिलाफ प्राकृतिक इम्युनिटी बनी रहती है। मगर कुल संक्रमितों में से 20 से 30 फीसदी लोगों ने 6 महीने के बाद इस प्राकृतिक इम्युनिटी को गंवा दिया है। आईजीआईबी के डायरेक्टर डॉ. अनुराग अग्रवाल ने अपने एक ट्वीट में कहा, स्टडी में यह पाया गया है कि सीरोपॉजिटिव

होने के बाद भी 20 से 30 फीसदी लोगों के शरीर में वायरस को खत्म करने की प्रक्रिया कम होने लगी। 6 महीने का यह अध्ययन इस बात का पता लगाने में सहायक होगा कि आखिर क्यों मुंबई जैसे शहरों में हाई सीरोपॉजिटिविटी होने के वजह से भी संक्रमण से राहत क्यों नहीं मिल रही है। यह शोध काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे यह जाना जा सकता है कि आखिर देश में कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर कब तक रहेगी. यह वैक?सीन के महत्व को भी दर्शाता है. शोध अभी भी जारी है. लेकिन मौजूदा समय में कई ऐसी वैक्सीन हैं जो संक्रमणों से लड़ने और मौत से बचाने में महत्वपूर्ण मानी जाती हैं. यह शोध इसलिए भी काफी अहम है, क्योंकि यह इस बात को भी समझाने में मदद करेगा कि आखिर देश में कोरोना की दूसरी लहर कब तक रहेगी। यह शोध इसलिए भी अहम है, क्योंकि यह वैक्सीन के महत्व को भी दर्शाता है। फिलहाल शोध जारी है और मौजूदा वक्त में अधिकतर वैक्सीन, संक्रमण से लड़ने और मौत से बचाने में अहम मानी जा रही हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि इस शोध के निष्कर्ष से यह पता चलेगा कि आखिर दिल्ली और महाराष्ट्र में एंटीबॉडीज या सीरोपॉजिटिविटी के हाई होने के बाद भी कोरोना के मामले इतनी तेज गति से क्यों बढ़ रहे हैं। शनिवार को दिल्ली में 7897 नए केस और मुंबई में 9327 केस मिले।

बिहार के बरौनी और महाराष्ट्र के बांद्रा के बीच दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

पटना। बिहार के बरौनी और महाराष्ट्र के बांद्रा टर्मिनल के बीच दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जाएगा। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि 16 अप्रैल से 28 मई तक प्रत्येक शुक्रवार को ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। यह ट्रेन पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और पटना के रास्ते चलाई जाएगी।

वहीं, वापसी में यह ट्रेन बरौनी से बांद्रा टर्मिनस के बीच 19 और 26 अप्रैल के अलावा तीन, 10, 17, 24 एवं 31 मई को चलाई जाएगी। दूसरी ट्रेन बांद्रा टर्मिनल से बरौनी के बीच

गोरखपुर, बेतिया, मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जाएगी। यह ट्रेन बांद्रा टर्मिनल से बरौनी के बीच 10 अप्रैल से 29 मई तक प्रत्येक शनिवार को जबकि बरौनी से 13 अप्रैल से 1 जून तक प्रत्येक मंगलवार को चलाई जाएगी। यह महाराष्ट्र से श्रमिकों को लाने वाली स्पेशल ट्रेन होगी।

देश के इन राज्यों में वीकेंड लॉकडाउन और नाइट कर्फ्यू के बाद सड़कें सुनसान

नई दिल्ली। पूरा देश इस वक्त कोरोना की दूसरी लहर से ग्रस्त है। ऐसे में सरकार के पास सख्ती बरतने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है। बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए देश के कई राज्यों में वीकेंड लॉकडाउन तो कहीं कर्फ्यू भी लगाया गया है। जिसके बाद मध्य प्रदेश सहित महाराष्ट्र में आज यानी रविवार को सड़के सुनसान दिखी।

बता दें कि महाराष्ट्र सरकार ने हालात को काबू में करने के लिए वीकेंड लॉकडाउन का एलान किया है। वहीं राजस्थान के 9 शहरों और कर्नाटक ने सात जिलों में नाइट कर्फ्यू लगा लगाया है। उधर, ओडिशा सरकार ने छत्तीसगढ़ सीमा

को सील करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ से रेल व हवाई सेवा पर भी पूर्ण प्रतिबंध कर दिया गया है। तो आइये तस्वीरों में देखते हैं कि देश के किन-किन राज्यों में वीकेंड लॉकडाउन और कर्फ्यू लगाने के बाद ताजा स्थिति क्या है।

महाराष्ट्र में आज वीकेंड लॉकडाउन के दौरान नागपुर की सड़कें सुनसान और दुकानें बंद दिखीं। बता दें कि राज्य सरकार ने यहां पर शुक्रवार रात 8 बजे से सोमवार सुबह 7 बजे तक वीकेंड लॉकडाउन लागू किया है।

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में भी आज वीकेंड लॉकडाउन का असर देखने को मिला। मुंबई की सड़कें सुनसान दिखीं। यह तस्वी मरीन ड्राइव के पास की है।

उधर, मध्य प्रदेश के सभी शहरी इलाकों में वीकेंड लॉकडाउन लागू है, जिसके बाद यहां पर भी सब कुछ सुनसान नजर आया। राज्य सरकार ने यहा पर शुक्रवार शाम 6 बजे से सोमवार सुबह 6 बजे तक वीकेंड लॉकडाउन लागू किया है।

किशनगंज में थानेदार बेटे की बंगाल में हत्या से आहत मां की भी मौत

किशनगंज। बिहार के किशनगंज टाउन थाना के अध्यक्ष अश्विनी कुमार की हत्या के बाद जब उनका पार्थिव शरीर घर लौटा तो बेटे की मौत के गम में उनकी मां की भी मौत हो गई। रविवार को एक साथ मां मां उर्मिला देवी और थानेदार बेटे की अर्थी उनके घर से उठेगी। पूर्णिया के जानकीनगर थाना के अभयराम चकला पंचायत के पांचू मंडल टोला निवासी दिवंगत थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार की मां उर्मिला देवी पटना में बहू मीनू स्नेहलता और बच्चों के साथ रहती थी। दिवंगत थानाध्यक्ष के पिता महेश प्रसाद यादव सेवानिवृत्त शिक्षक थे जिनका देहांत कुछ साल पूर्व हो गया था।

थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार दो भाइयों में बड़े थे। छोटा भाई प्रवीण कुमार उर्फ गुड्डु है। इनकी दो बहन भी है। इंस्पेक्टर अश्विनी कुमार के तीन बच्चे दो बेटी और एक बेटा है। दोनों बेटी बड़ी है। पटना में ही ये फ्लैट लिए हुए थे। हालांकि पटना से इनकी पत्नी किशनगंज नहीं पहुंच पाई थी।

बता दें कि किशनगंज के टाउन थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार की हत्या से परिजनों में उबाल देखा गया। परिजनों का कहना था कि साजिश के तहत थानाध्यक्ष की हत्या हुई है। परिजनों का कहना था कि थानाध्यक्ष के साथ गए पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल अगर वहां मौजूद रहकर एक भी गोली चला देते तो शायद भीड़ के चंगुल से उनके भाई की जान बच जाती।

पुलिस ने मां और दो बेटे समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया

किशनगंज जिले के थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार की हत्या के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया । पकड़े गए अभियुक्तों में फिरोज आलम, उसका भाई अबुजार आलम और इनकी मां सहीनुर खातुन शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक फिरोज इस घटना का मुख्य अभियुक्त है। किशनगंज से सटे पश्चिम बंगाल के पंथापड़ा में तहकीकात के सिलसिले में दलबल के साथ गए इंस्पेक्टर अश्विनी कुमार पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था। इस घटना में वह शहीद हो गए। पुलिस मुख्यालय के मुताबिक इस मामले में नामजद अभियुक्तों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। इसमें संलिप्त तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूर्णिया के आईजी और किशनगंज के एसपी घटनास्थल पर कैंप कर रहे हैं। वहीं डीजीपी एसके सिंघल ने पश्चिम बंगाल के डीजीपी से इस मामले में बात की।

बंगाल के डीजीपी ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। पुलिस मुख्यालय के मुताबिक शहीद इंस्पेक्टर अश्विनी कुमार के परिजनों को अनुग्रह अनुदान, सेवांत लाभ और एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने के लिए कार्रवाई की जा रही है। बिहार पुलिस ने शहीद इंस्पेक्टर अश्विनी कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है।

अश्विनी कुमार 94 बैच के दारोगा थे बाद में उनकी इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नति हुई

बंगाल के ग्वालपोखर थाना क्षेत्र के पंतापाड़ा गांव में बाइक चोरी मामले में छापेमारी करने गयी पुलिस टीम पर भीड़ के हमले में किशनगंज टाउन थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना शनिवार की अहले सुबह 3 बजे की है। वे पूर्णिया जिले के बनमनखी प्रखंड के जानकीनगर थाना अंतर्गत पांचू मंडल टोला के रहने वाले थे। अश्विनी कुमार 94 बैच के दारोगा थे। बाद में उनकी इंस्पेक्टर पद पर प्रोन्नति हुई थी। थानाध्यक्ष के शव को पोस्टमार्टम के लिए इस्लामपुर अस्पताल लाया गया। इधर घटना के बाद पुलिस ने पुलिस इंस्पेक्टर पर हमला करने के आरोप में पांतापाड़ा से तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसमें मुख्य आरोपी फिरोज आलम, भाई अबुजर आलम व फिरोज आलम की मां शाहीनूर खातून शामिल है। एसपी कुमार आशीष ने कहा कि घटना अत्यंत दुःखद हैं। दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इस्लामपुर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव को पुलिस लाइन लाया गया। जहां पुलिस लाइन में आईजी सुरेश चौधरी, डीएम डा. आदित्य प्रकाश, एसपी कुमार आशीष द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिए जाने के बाद शव को पुलिस के साथ पैतृक गांव भेज दिया गया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मजदूरों का पलायन

(सिद्धार्थ शंकर)

लॉकडाउन के डर के चलते एक बार फिर प्रवासी मजदूरों का पलायन शुरू हो गया है। ये लोग अपने घर लौटने लगे हैं। मुंबई में लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन से यूपी जाने वाली ट्रेनों में पैर रखने की जगह नहीं है। जनरल डिब्बों में तो लोग एक-दूसरे के ऊपर सवार होकर यात्रा कर रहे हैं। पुणे और नागपुर में भी यही हालात हैं। ये ट्रेनें सुपर स्प्रेडर बन सकती हैं और संक्रमण का खतरा और बढ़ सकता है। घर लौट रहे यात्रियों का कहना है कि लॉकडाउन की आशंका के चलते काम नहीं मिल रहा है। यहां क्या करेंगे इसलिए वापस जा रहे हैं। पिछली बार की तरह पैदल घर जाने से बेहतर है कि इस तरह ट्रेन में खड़े-खड़े 30-35 घंटे का सफर कर लें। वहीं रेलवे का कहना है कि ट्रेनों में टिकट की बुकिंग को लेकर फैल रही अफवाहों से घबराएं नहीं। रेलवे गर्मियों की छुट्टियों में अधिक विशेष ट्रेनें चलाती है। लोगों से अपील है कि वे महामारी की चुनौती को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर भीड़-भाड़ न करें। ट्रेन छूटने से 90 मिनट पहले ही स्टेशन पर पहुंचें। टिकट वालों को ही यात्रा की इजाजत है। कोविड प्रोटोकॉल का ध्यान रखें। लॉकडाउन के बाद ट्रेनों को कोविड गाइडलाइंस के अनुसार चलाया जा रहा है। नए नियम के मुताबिक, जनरल कम्पार्टमेंट में भी बिना रिजर्वेशन के कोई यात्रा नहीं कर सकता। यात्रियों की घर लौटने की बेबसी अनायास नहीं है। याद कीजिए...एक साल पहले आज का ही समय था। तपती धूप में लोगों का रेला सड़कों पर था। काम छूट जाने और भूख से बचने लोग पैदल ही घरों को निकल लिए थे। इस बार वैसी स्थिति से बचने वे ट्रेनों में ठुंसकर जा रहे हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक में कह चुके हैं कि देशव्यापी लॉकडाउन की जरूरत नहीं है। राज्य अपने हिसाब से पाबंदी लगाएं। मतलब साफ है पिछली बार जैसा सन्नाटा नहीं दिखने वाला। तो लोगों को भी धैर्य रखना चाहिए। प्रवासी मजदूरों, पटरी पर कारोबार करने वालों, रिक्शा चलाने वालों आदि की समस्याओं से सरकारें भी वाकिफ हैं, उनके भोजन वगैरह की व्यवस्था अभी से की जा रही है। माना कि कई राज्यों में काम-धंधा बंद हो गया है और फिर आगे कब शुरू हो पाएगा, निश्चित नहीं है, लेकिन आपाधापी में इस तरह घर लौटना क्या सुरक्षित है। संक्रमण इस समय पूरे जोर पर है। भीड़ जुटने से संक्रमण विस्फोटक हो सकता है। यह संकट का समय है और जिस तरह रोज कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं, उसमें भीड़भाड़ से इसके फैलने का खतरा अधिक है। इसलिए लोगों से धैर्य पूर्वक सुरक्षित दूरी बनाए रख कर इस संक्रमण के चक्र को तोडऩे में सहयोग अपेक्षित है। पर ऐसा क्यों हो रहा है कि लोगों का धैर्य जवाब दे रहा है और उन्हें भूख से पार पाने में मदद नहीं मिल पा रही है, यह सरकारों को सोचने की जरूरत है।

सांस्कृतिक क्षेत्र में भारत उदय

-अशोक कुमार सिन्हा

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम प्रधान संस्कृति है। सम्पूर्ण भारत खण्ड की सांस्कृतिक प्रथाओं, भाषाओं, रीति-रिवाजों आदि में विविधता में भी एकता का दर्शन एक महान विशेषता मानी जाती है। 'सर्व खल्वमिदं ब्रह्म' अलग-अलग वस्तुओं में निरन्तरता और परस्पर अवलम्बिता देखना, सम्बद्धता देखना और तद्नुरूप विश्वास रख कर आचरण करना भारत का अनूठा विश्वास है। देशकाल में रहते हुये देशकाल का अतिक्रमण करते रहने का सामर्थ्य भी हमारी सांस्कृतिक विशेषता है। जहां रहे, जब रहें, उनके साथ संगति बिठाकर रहें, उसकी अपेक्षाओं को पूरा करें, पर उस देश काल के आगे की सम्भावनाओं का भी ध्यान रखे और जहां कहीं असंगति या कुछ असंतुलन आ रहा है, वहां देशकाल से आगे चले जाने का साहस करें, यह बोधिसत्व दिखाना भारतीय संस्कृति है। चित्तवृत्ति की गम्भीर-से-गम्भीरतर साधना के बिना संस्कृति का उच्चतर प्रयोजन सिद्ध नहीं होता है। भारतीय संस्कृति किसी न किसी उच्चतर जीवन उद्देश्य या मूल्य से प्रेरित है। अपने लिये जीना सार्थक जीवन नहीं है। गतिशीलता ही संस्कृति है। ठहराव इसी संस्कृति के अनुसार चलने पर बनी हुई कुछ राहें हैं, आचरण के बने हुये कुछ सांचे हैं। संस्कृति मानव चित्त की खेती है। खेत की उर्वरता को बार-बार सुनिश्चित करने के लिये जोता जाता है, नीचे की मिट्टी ऊपर कर बीज रोपित किये जाते हैं। इस प्रक्रिया में नये किसलय निकलते है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति को 'नित नूतन-चिर पुरातन' कहा जाता है। भारत की संस्कृति बहुआयामी है जिसमें भारत का महान इतिहास, विलक्षण भूगोल, प्राचीनतम, सुविकसित सभ्यता, वैदिक युग की प्राचीनतम विरासत, एवं विश्व को मनवता का शिक्षा व संदेश देने की क्षमता विद्यमान है। भारत कई धार्मिक प्रणालियों और पंथों का जनक है, जिससे पूरा विश्व प्रभावित हुआ है। यहां कर्म की प्रधानता है। संस्कृति की प्राचीनता के साथ अमरता है जो कई क्रूर थपेड़ो को खाती हुई आज भी जीवित है। जगतगुरु होना इसकी नियति है। सर्वांगीणता, विशालता, उदारता, प्रेम और सहिष्णुता इसकी संगठित शक्ति है। समय की गति तथा विश्व की समयानुकूल बदलती संरचना साम्राज्यवाद, साम्यवाद, समाजवाद, भौतिक क्रान्ति तथा 1200 वर्षों की क्रूर, गुलामी ने इस देश की संस्कृति, सभ्यता, मानवबिन्दुओं और मनोबल को क्रूरतापूर्वक दबाया, कुचला और नष्ट करने का बहुविध प्रयास किया। इसमें भारतीय संस्कृति धूमिल अवश्य हुई परन्तु काल उसे मिटा नहीं सका। भारतीय दर्शन, धर्म, समाज, परिवार, परम्परा एवं रीति, वस्त्र विन्यास, साहित्य, इतिहास, महाकाव्य, संगीत, नृत्य, नाटक, रंगमंच, चित्रकारी मूर्तिकला, वास्तुकला, मनोरंजन और खेल, सिनेमा, रेडियो ओर मीडिया सब स्मृति श्रुति, स्मृति आचरण व विचार में अक्षुण रहे। वर्तमान युग को हम भारतीय संस्कृति के पुनरोदय काल के अन्तर्गत विभाजित कर सकते हैं। स्वतन्त्रता के बाद भारत ने बहुआयामी सामाजिक और आर्थिक प्रगति की है। कृषि में भारत आत्मनिर्भर बना है और औद्योगिक क्षेत्र में इसकी महान उपलब्धियों ने दुनिया का एक अग्रणी देश बना दिया है। भारत में सांस्कृतिक राष्टवाद की अवधारणा बलवती होने लगी है तथा भारत की छवि विश्व में तेजी से बदली है। सिन्धुघाटी सभ्यता, वैदिक सभ्यता, स्वर्णयुग, बौद्धयुग, सिकन्दर का आक्रमण, गुप्त साम्राज्य, हर्षवर्द्धन, विक्रमादित्य, मौर्य साम्राज्य आदि के बाद भारतीय संस्कृति के पुनरोदय का वर्तमान काल मील के पत्थर सिद्ध हो रहे हैं। आज भी भारत राम-कृष्ण का देश कहा जाता है। हिन्दू शब्द पूरे विश्व में भारत का पर्याय माना जाता है। आर्यावर्त, भारत खण्डे, जम्बू द्वीपे यह हमारा संकल्पीय पहचान है। धीरे-धीरे हम जिसे विस्मृत करते जा रहे थे अब पुन- उसका पुनरोदय होने लगा है। अपनी भाषा, अपनी पहचान तथा अपनी संस्कृति पर गर्व का भाव उदय होने लगा है। भारतीय मेधाशक्ति ने सम्पूर्ण विश्व में चमत्कार कर विज्ञान प्रौद्योगिकी, धर्म, संस्कृति और सभ्यता में भारत का मस्तक ऊंचा किया है। स्वामी विवेकानन्द ने जो विश्व का ध्यान इस प्राचीनतम संस्कृति की ओर खींचा था, अब उस ताप को विश्व अनुभव करने लगा है। यहां के साधु, संतों, योगियों ऋषियों, संन्यासियों सहित यायावर सांस्कृतिक महापुरुषों ने विश्व के समस्त देशों में भ्रमण कर भारतीय ज्ञान-विज्ञान, आध्यात्म योग और विश्व बन्धुत्व का संदेश दिया और दे रहे है जिसे अब विश्व स्वीकार करने लगा है। विश्व के 171 देशों ने संयुक्त राष्ट्र संघ में विश्व योग दिवस के पक्ष में मत देकर योग की महता स्वीकार की। पूरा विश्व अब योग विज्ञान को मानवता के लिये लाभकारी मानने लगा है जिसमें कई इस्लामिक राष्ट्र भी सम्मिलित थे। यह भारतीय संस्कृति का पुनरोदय है। ऽसर्वे भवन्तु सुखिन- सर्वे सन्तु निरामया' का भारतीय उदघोष अब भारत के बाहर सम्पूर्ण विश्व में फैल रहा है। अब एकजुट सांस्कृतिक भारत की गरिमा का प्रमाण भारतीय नागरिकों को एयरपोर्ट पर दिखाई देता है जब उनको सम्मानपूर्वक दूसरे देशों में प्रवेश मिलता है। यहां के राजनैतिक नेतृत्व का लोहा पूरा विश्व मान रहा है। सम्पूर्ण विश्व में कोरोना महामारी के समय वैक्सीन की जब महती आवश्यकता थी तो भारत संकटमोचन बन कर सबसे पहले टीका विकसित कर पूरे विश्व में भेजने का सम्मान प्राप्त कर चुका है। विगत 490 वर्षों से अटका रामजन्म भूमि का विवाद अन्तत- सम्पूर्ण विश्व के समक्ष शान्तिपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया। मन्दिर निर्माण प्रारम्भ हुआ और जिस गरिमा से भारत के प्रधानमंत्री तथा राष्ट्र स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक मोहन भागवत द्वारा 5 अगस्त 2020 को उसका भूमि पूजन हुआ, वह राम राज्य के शंखनाद के रूप में दुनिया ने देखा। भारतीय संस्कृति के पुनरोदय का यह काल है। 21वीं सदी भारतीय संस्कृति की सदी के रूप में स्थापित हो रही है। विश्व को यदि शान्ति और सुख चाहिये तो उसे भारत की संस्कृति ओर ही वापस लौटना होगा। भारत ने दुनिया के हृदय में स्थान बनान है। साम्राज्यवादियों और जिहादियों की भांति किसी की भी भूमि नहीं हड़पी है। परमाणु शक्ति सम्पन्न देश होते हुये भी अपनी संस्कृति की गरिमा पर भारत आज भी दृढ़ है। जम्मू-कश्मीर में धारा-370 व 35ए को समाप्त कर विश्व को बता दिया गया है कि भारत किसी के आगे झुकने वाला नही है। खीर भवानी मन्दिर हो या शंकराचार्य मन्दिर, कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। यह ऋषि कश्यप का बसाया क्षेत्र है। भारत आतंकवाद का समूल नाश करने पर लगा हुआ है। भारतीय संस्कृति शान्ति और सुरक्षा के साथ रहने और जीवन यापन करने का संदेश देती है। 'शस्त्रेण रक्षिताम् राष्ट्र' राष्ट्र की रक्षा शस्त्र से होती है- इस क्षेत्र में भारतीय सैन्य बल को मजबूत कर भारत अस्त्र-शस्त्रों के मामले में तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। चीन और पाकिस्तान जैसे विश्व के अन्य देश भी अब भारत को और भारतीय सांस्कृतिक पहचान को समझने लगे है। इतिहास का पुर्नलेखन हो रहा है। भारत का गौरव पूर्ण इतिहास विश्व के समक्ष रखा जा रहा है। वामपंथियों के द्वारा शिक्षा और इतिहास के साथ जो क्षद्म खेल विगत 70 वर्षों में खेला गया था, अब भारत नई शिक्षा नीति और इतिहास संकलन व पुर्नलेखन के माध्यम से उसे ठीक करने में लगा है। मथुरा-काशी के मन्दिरों के पुर्नउद्धार की मांग जोर पकड़ रही है। राष्ट्र विरोधी शक्तियाँ हतोत्साहित हो रही है। भारत एक सांस्कृतिक राष्ट्र के रूप में सबल बन कर विश्व को अपना विराट रूप दिखाने की ओर अग्रसर है। राष्ट्ररीय शक्तियां जाति, पंथ, मजहब की सीमा तोड़कर एक होने का प्रयास कर रही है। रामसेतु और राम को काल्पनिक मानने वालों का मनोबल टूट रहा है और वे सांस्कृतिक राष्ट्र की शक्ति के आगे नतमस्तक हो रही हैं।

आज के ट्वीट

निवेश

बीते 6 सालों में भारत में रिकॉर्ड विदेशी निवेश हुआ है। कोरोना काल में भी निवेश के नए रिकॉर्ड बने हैं। लेकिन दीदी की दुर्नीति की वजह से इसका लाभ पश्चिम बंगाल को नहीं मिल पा रहा है।

-- पीएम

ज्ञान गंगा

मन के हारे हार...

सद्गुरु

ब्रह्माबिंदु उपनिषद में एक श्लोक है-मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयो: बंधाय विषयासक्तं मुक्त्यै निर्विषयं स्मृतम। इसका अर्थ है, मन ही मनुष्य के बंधन तथा मोक्ष का कारण है। विषयासक्त मन बंधन का तथा निर्विषय मन मुक्ति का कारण बनता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि मन अनन्त है अर्थात मन की शक्तियां अनन्त हैं। चेतन, अवचेतन और अचेतन -तीन स्तरों पर मन कार्य करता है। संकल्प-विकल्प, चिन्तन-मनन सब कुछ मन से संभव होता है। अनन्त शक्ति सम्पन्न मन को गीता में बहुत चंचल कहा गया है, जिसे बांध कर रखना वैसे ही कठिन है जैसे वायु को बांधना। पर यह असंभव नहीं। हम मन के गुलाम न बनें, यह हमारे हाथ में है। मन हमारा अनुचर बनकर चले हमारे साथ यही अभीष्ट है। अभ्यास से मन को साधा जा सकता है। मन की एकाग्रता यदि सम्भव कर सकें तो उसकी सम्पूर्ण शक्तियां एक ही स्थान पर लगेंगी, तब मनचाहा लक्ष्य प्राप्त किया जा सकेगा। पर यह हो क्यों नहीं पाता? मनोवैज्ञानिकों का तो कहना है कि हम मन की अनन्त सामर्थ्य का सौवां अंश भी प्रयोग नहीं कर पाते हैं। ऋग्वेद में दु-स्वप्ननाशनम (ऋग्वेद 10,164) एक सूक्त है, जहां मन की विशेषताओं का वर्णन किया गया है। साथ ही दृढ़ संकल्प तथा आत्मविश्वास से मन को उसकी नकारात्मकता से मुक्त करने की बात भी कही गई है। मन ही पाप-पुण्य, शुभ-अशुभ, सुख-दुख दोनों के लिए उत्तरदायी है। यह व्यक्ति के ऊपर निर्भर है कि वह दोनों में से कौन सा मार्ग अपने लिए चुनता है।बहुत बार हम प्रत्यक्ष में भला दिखने का प्रयत्न करते हैं, पर हमारे अवचेतन में दबा दुर्भाव पग-पग पर प्रकट होकर कुछ और ही अभिव्यक्त कर देता है। घृणा, द्वेष, क्रोध, ईर्ष्या आदि के नकारात्मक भाव अवचेतन में संग्रहित होते-होते इस कदर बढ़ जाते हैं कि वे वाणी और कार्य व्यवहार द्वारा हमारे अनजाने में ही प्रकट हो जाते हैं। तब हमारे व्यक्तिगत, पारिवारिक तथा सामाजिक संबंध भी विघटित होने लगते हैं। वैदिक ऋषि ऐसे कुविचारों, दुर्भावनाओं से मुक्ति पाने का प्रयत्न करते थे। बहुधा जीवतो मन: अर्थात जीवित मनुष्य का मन बहुत प्रकार का है। तथा बहुत्ता जीवतो मन:-जीवित का मन बहुत स्थानों पर प्रवृत्त होता है। ऐसे शक्तिशाली मन को बुरे संकल्पों से बचाने के लिए बहुत अधिक आत्मविश्वास चाहिए।

जंगल के लिए दांव पर लगा दी जिंदगी

नंदादेवी कुंवर वन संरक्षक, नेपाल

जीना यहां, मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां मुखड़ा शैलेंद्र ने राज कपूर की फिल्म मेरा नाम जोकर के लिए लिखा था। लेकिन यह पंक्ति कितनों का जीवन दर्शन बन जाएगी, इसका अंदाज शायद न राज साहब को रहा होगा और न शैलेंद्र को। नंदादेवी कुंवर जैसों ने तो इसे सचमुच मानीखेज बना दिया। नेपाल के सुदूरपश्चिम सूबे में अछाम जिले के एक गरीब परिवार में पैदा नंदा महज 13 साल की थीं, जब उनकी शादी लक्ष्मण कुंवर से कर दी गई। उन्होंने इसका कोई विरोध नहीं किया, क्योंकि तब समाज का यही दस्तूर था। लड़कपन ने ठीक से दामन भी न छोड़ा था कि नंदा खुद मां बन गईं। चंद वर्षों के भीतर ही उनकी चार संतानें हुईं। नंदा और लक्ष्मण का अब एकमात्र लक्ष्य परिवार का भरण-पोषण था। दोनों काफी मेहनत करते, लेकिन छह सदस्यों के परिवार का गुजारा बहुत मुश्किल से हो पाता। उस पर सबसे छोटी बेटी लकवाग्रस्त पैदा हुई थी। देखते-देखते बच्चे बड़े होने लगे। उनकी जरूरतें भी बढ़ रही थीं, मगर कमाई बढ़ने के आसार नहीं नजर आ रहे थे। पति-पत्नी ने जगह बदलने का फैसला किया और साल 1995 में वे रोजगार की तलाश में कैलाली आ गए। कैलाली नेपाल का एक बड़ा जिला है। उम्मीद थी कि यहां जिंदगी कुछ आसान हो जाएगी। मगर यहां आए भी काफी दिन हो चले थे, हालात जस के तस बने हुए थे। पति जब भी नेपाल से बाहर निकलने की बात करते, नंदा छोटे-छोटे बच्चों का हवाला देकर उन्हें रोक लेतीं। इस तरह तीन साल और बीत गए। आखिरकार बीवी-बच्चों की बढ़ती तकलीफों से आहत होकर एक दिन लक्ष्मण कुंवर ने भारत का रुख कर लिया। पुणे में उन्हें जल्द ही चौकीदारी का काम मिल गया। वह हर महीने नंदा को कुछ पैसे भेजने लगे थे। पति के भारत आ जाने के बाद नंदा के लिए जिंदगी अधिक चुनौती भरी हो गई थी। वह कैलाली में ही मधुमालती सामुदायिक वन के करीब एक झोंपड़ी में परिवार के साथ रहने लगी थीं। वहां पहुंच उन्होंने मन ही मन तय कर लिया था कि अब जगह नहीं बदलेंगे। यहीं पर जिएंगे। धीरे-धीरे वह सामुदायिक वन प्रबंधन समिति की सक्रिय सदस्य बन गईं। दरअसल, वन नंदादेवी जैसे लोगों की जिंदगी में हमेशा उम्मीद बनाए रखते हैं। वनाश्रित परिवार न सिर्फ इन जंगलों से मवेशियों के लिए चारा और जरूरत की लकड़ियां पाते हैं, बल्कि इनसे हासिल मौसमी फल बेचकर घर-परिवार पालते रहे हैं। इसलिए वनों के साथ इनका रिश्ता काफी प्रगाढ़ होता है। मधुमालती सामुदायिक वन लगभग 17.5 हेक्टेयर में फैला हुआ है, लेकिन समाज के लालची तत्वों की निगाह न सिर्फ इसके अन्य संसाधनों पर, बल्कि इसकी जमीन पर भी थी। वे आहिस्ता-आहिस्ता इसके अतिक्रमण में जुटे हुए थे। नंदादेवी जब मधुमालती वन प्रबंधन समिति की अध्यक्ष बनीं, तब उन्होंने इस वन से जुड़े कई बड़े काम किए। सबसे पहले उन्होंने खाली जगहों पर खूब सारे पौधे लगवाए। नई-नई प्रजाति के पक्षियों और जानवरों का बसेरा बनवाया। फिर उन्होंने महसूस किया कि चूंकि यह वन संरक्षित नहीं है, इसीलिए जंगली जानवर आस-पास के गांवों में घुस आते हैं। नंदादेवी ने लोहे की बाड़ लगाकर इसे संरक्षित करने का फैसला किया। वन, वनोपज और वन्य-जीवों के हक में यह काफी अहम फैसला था, मगर लकड़ी तस्करों और भू-अतिक्रमणकारियों को यह नागवार गुजरा। एक सुबह जब कुछ लोग जंगल की जमीन अपने खेत में मिलाने की कोशिश कर रहे थे, नंदा ने उनका साहसपूर्वक विरोध किया। अतिक्रमणकारियों ने धारदार हथियारों से उन पर हमला बोल दिया। नंदा के दोनों हाथ बुरी तरह जख्मी हो गए। उनकी चीख-कराह सुन पड़ोसी दौड़कर पहुंचे, तब तक नंदा बेहोश हो चुकी थीं। उन्हें फौरन काठमांडू ले जाया गया। डॉक्टरों ने काफी मशक्कत की। दोनों हाथ के ऑपरेशन हुए, मगर मेडिकल टीम एक हाथ न बचा सकी। इस हमले ने शरीर के साथ-साथ मन को भी घायल कर दिया था। खासकर नंदा के बच्चे बुरी तरह भयभीत हो गए थे। मां पर इस्तीफे के लिए उनका दबाव बढ़ता गया। अंतत- नंदा ने इस्तीफा दे दिया। लेकिन इस बीच वन के प्रति उनकी निष्ठा और उनके साथ हुए हादसे की खबर नेपाल भर में फैल गई थी। सरकार उनके साथ खड़ी हुई, बल्कि 'ऑर्किड' की एक दुर्लभ किस्म की खोज करने वाले वनस्पति विज्ञानियों की सिफारिश पर इसका नाम नंदादेवी कुंवर पर 'ओडोंचिलस नंदेई' रखा गया। मधुमालती सामुदायिक वनक्षेत्र का नाम भी 'मधुमालती नंदादेवी सामुदायिक वन' कर दिया गया। तब अभिभूत नंदादेवी के अल्फाज थे, 'मेरे प्रति समुदाय के लोगों ने जो विश्वास जताया, इसी के कारण मैं मधुमालती से कभी दूर न जा सकी। मैं इस वन से हमेशा प्यार करती रहूंगी।' कई सम्मानों से पुरस्कृत नंदा के योगदान को विश्व बैंक ने भी सराहा। आज जब उत्तराखंड में जंगल धधक रहे हैं, तब हमें नंदादेवी सरीखे लोगों की कमी शिद्दत से महसूस होती है।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जारी प्रयास सार्थक होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। गृह सुख में कमी रहेगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक योजनायें सफल होंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखना आवश्यक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। उदर विकार या नेत्र विकार की संभावना है। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

कन्या पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यो में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक परिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

मकर आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की असभ्यता आपको किसी संकट में डाल सकती है। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इलेक्ट्रिक वाहन नीति में बदलाव लाने की जरूरत: हीरो इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली। देश की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति को पुनर्गठित करने ओर इसमें बदलाव लाने की जरूरत है, जिससे इसे अधिक दक्ष बनाया जा सके। देश की प्रमुख इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी हीरो इलेक्ट्रिक ने यह राय व्यक्त की है। कंपनी का कहना है कि इलेक्ट्रिक वाहन नीति में बदलाव कर वांछित बिक्री लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। अप्रैल, 2019 में पेश की गई भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने और विनिर्माण की योजना-दो (फेम-दो) के तहत मार्च, 2022 तक कम से कम 10 लाख इलेक्ट्रिक दोपहया को सड़कों पर लाने का लक्ष्य है। इस नीति को आए दो साल हो गए हैं, लेकिन अब तक सिर्फ 60,000 इलेक्ट्रिक दोपहिया सड़कों पर आए हैं। 2020 में देश में सिर्फ 25,735 द्रुत गति के इलेक्ट्रिक दोपहिया बिके थे। हीरो इलेक्ट्रिक के प्रबंध निदेशक नवीन मुंजाल ने कहा कि इस नीति के दो साल बीते चुके हैं और एक साल शेष हैं, लेकिन अब तक इससे सिर्फ 60,000 वाहनों को लाभ हुआ है। अभी तक यह आंकड़ा छह लाख से अधिक होना चाहिए था। ऐसे में कुछ ऐसा है जो काम नहीं कर रहा। इसके मद्देनजर नीति में बदलाव की जरूरत है। फेम-दो के दूसरे चरण के तहत अधिकतम कारखाना मूल्य वाले 10 लाख पंजीकृत इलेक्ट्रिक वाहन 20,000 रुपए का प्रोत्साहन पाने के पात्र हैं। अभी सिर्फ तेज रफ्तार इलेक्ट्रिक दोपहिया ही फेम-दो योजना का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि नीति में कई चीजों जैस रफतार, दायरे आदि को शामिल किया गया है, जिससे क्षेत्र की वृद्धि प्रभावित हो रही है। यदि आप रफतार, दायरे आदि को लेकर मानदंड तय कर देते हैं, तो यह सही तरीका नहीं है। यदि निश्चित संख्या में इंटरनल कम्बशन इंजनों को इलेक्ट्रिक में बदलना चाहते हैं तो आप सब्सिडी का भुगतान शुरुआत में ही कर दें।

दूरसंचार पीएलआई योजना के दिशानिर्देश एक सप्ताह में

नयी दिल्ली, दूरसंचार विभाग क्षेत्र के विनिर्माताओं के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के क्रियान्वयन के दिशानिर्देश एक सप्ताह में जारी कर सकता है। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि इसके लिए एक सप्ताह में आवेदन आमंत्रित किए जा सकते हैं। दूरसंचार उपकरण कंपनियों एरिक्सन और नोकिया ने भारत में अपने परिचालन के विस्तार की इच्छा जताई है। वहीं वैश्विक कंपनियों मसलन सैमसंग, सिस्को, सिएना और फॉक्सकॉन भारत में घरेलू बाजार और निर्यात के लिए दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों का विनिर्माण करने में रुचि दिखाई है। एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''सरकार दूरसंचार पीएलआई को पहले ही मंजूरी दे चुकी है। दूरसंचार विभाग क्रियान्वयन के लिए दिशानिर्देशों, आवेदन फॉर्मेट और प्रोत्साहन आवंटन के साथ तैयार है। इसे एक सप्ताह में दूरसंचार विभाग की वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया जाएगा।'' दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पादों के लिए पीएलआई योजना को 24 फरवरी, 2021 को अधिसूचित किया था। इसके तहत पांच साल में 12,195 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। भारत में दूरसंचार उपकरण विनिर्माण की योजना के तहत 2.44 लाख करोड़ रुपये के उपकरणों के विनिर्माण की उम्मीद है। इससे करीब 40,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिल सकेगा। इस योजना से 3,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश मिलने की उम्मीद है। इससे करीब 17,000 करोड़ रुपये के कर राजस्व का भी सृजन होगा।

कैट का पीएम मोदी से आग्रह, लॉकडाउन और रात्रि कर्फ्यू के स्थान पर अन्य विकल्पों को अपनाएं

बिजनेस डेस्क:

व्यापारियों के संगठन कनफेडेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कोरोना वायरस महामारी के प्रसार पर अंकुश के लिए लॉकडाउन और रात्रि कर्फ्यू के स्थान पर अन्य विकल्पों को आजमाने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री मोदी को रविवार को भेजे गए एक पत्र में कैट ने कहा है कि रात्रि कर्फ्यू या लॉकडाउन से अभी तक देश में कोविड के बढ़ते मामलों पर अंकुश नहीं लगा है, ऐसी स्थिति में यह अधिक उपयुक्त होगा यदि पूरे देश में विकल्प के तौर पर जिला स्तर पर बेहद मज़बूती के साथ कोविड उपायों को अपनाया जाए और विभिन्न क्षेत्रों के काम के समय में परिवर्तन किया जाए। पत्र में कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया और महासचिव प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि पिछले एक सप्ताह में कोविड के आंकड़ों का बारीकी से विश्लेषण करने से यह स्पष्ट हो गया है कि विभिन्न राज्यों में रात्रि कर्फ्यू और लॉकडाउन कोविड मामलों को नीचे लाने के वांछित परिणाम को पाने में असफल रहे है। उन्होंने कहा की पांच अप्रैल को भारत में 96,563 कोविड मामले दर्ज किए गए। इनमें सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में आए। उसके बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, पंजाब, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ में विभिन्न प्रतिबंध लगाए गए हैं। खंडेलवाल ने कहा कि रात्रि कर्फ्यू या लॉकडाउन के बजाय अन्य वैकल्पिक उपलब्ध उपायों को अपनाया जाए, तो शायद कोविड के मामलों पर रोक लग सके। कैट ने सुझाव दिया है कि केवल लॉकडाउन निश्चित रूप से समाधान नहीं है। पत्र में कहा गया है कि देश का व्यापार और वाणिज्य 2020 के पिछले लॉकडाउन के नुकसान से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। एक तरफ कोविड मामलों में वृद्धि को रोकने के लिए प्रभावी कदमों की आवश्यकता है जबकि दूसरी ओर आर्थिक और वाणिज्यिक गतिविधियों को भी सख्त तरीके से कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते चलने देना चाहिए।

अमेजन इंडिया ने स्टार्टअप के लिए परामर्श कार्यक्रम शुरू किया

नयी दिल्ली, ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने 'मेंटर कनेक्ट' कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। इसके जरिये अमेजन लॉन्चपैड पहल के तहत नामांकित स्टार्टअप्स और उभरते ब्रांडों के मालिकों को वृद्धि में मदद की जाएगी। एक बयान में कहा गया है कि इस कार्यक्रम के जरिये स्टार्टअप कंपनियों और उभरते ब्रांडों को उद्यम पूंजी कंपनियों, उद्योग के अनुभवी लोगों और अमेजन के नेतृत्व वाले अधिकारियों से विशेषज्ञ ज्ञान साझा सत्रों में भागीदारी का मौका मिलेगा। साथ ही उन्हें नेटवर्किंग कार्यक्रमों और 1:1 परामर्श सत्रों का भी हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त होगा। कई शैक्षणिक संस्थानों और उद्यम पूंजी कंपनियों मसलन फायरसाइड वेंचर्स, डीएसजी कंज्यूमर पार्टनर्स, एलिवेशन कैपिटल और टुमारो कैपिटल ने पहले ही इस कार्यक्रम में भाग लेने और देश के स्टार्टअप की वृद्धि की कहानी में योगदान देने की सहमति दे दी है। बयान में कहा गया है कि अमेजन लॉन्चपैड से जुड़े स्टार्टअप और उभरते ब्रांड इन लोगों से विभिन्न तरीकों से परामर्श प्राप्त कर सकेंगे। बयान में कहा गया है कि इस मंच के जरिये उद्यमियों को सीखने और अपने स्टार्टअप को उद्योग के समक्ष पेश करने का अवसर मिलेगा। साथ ही उन्हें विशेषज्ञों से रणनीति और कामकाज की चुनौतियों के बारे में भी सीखने का अवसर प्राप्त होगा।

महिंद्रा एंड महिंद्रा अगले इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार में तीन साल में 3,000 करोड़ निवेश करेगी

नयी दिल्ली,

महिंद्रा एंड महिंद्रा लि. अगले तीन साल में इलेक्ट्रिक वाहन कारोबार में 3,000 करोड़ रुपये का नया निवेश करेगी। साथ ही कंपनी इस खंड में और भागीदारी पर विचार कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह कहा।महिंद्रा एंड महिंद्रा वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता का उपयोग कर ईवी मंच के विकास पर जोर-शोर से काम कर रही है। महिंद्रा समूह के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी अनीष शाह ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में हम 3,000 करोड़ रुपये निवेश करने जा रहे हैं। हमने जो पूर्व में कहा है, यह निवेश उसके अलावा होगा।''महिंद्रा एंड महिंद्रा ने पूर्व में कहा था कि वह वाहन और कृषि क्षेत्रों में अगले पांच साल में 9,000 करोड़ रुपये निवेश करेगी। कंपनी ने 2025 तक 5 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों को भारतीय सड़कों पर उतारने का लक्ष्य रखा है और वह भारत में ईवी कारोबार में 1,700 करोड़ रुपये निवेश कर चुकी है। इसके अलावा, 500 करोड़ रुपये नये अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) केंद्र में निवेश किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा पहले ही बेंगलुरू में इलेक्ट्रिक प्रौद्योगिकी संयंत्र खोल चुकी है। इसमें बैटरी पैक, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और मोटर का उत्पादन होता है। इसके अलावा कंपनी ने महाराष्ट्र में पुणे के समीप चाकण संयंत्र में भी नये विनिर्माण इकाई लगाने में निवेश किया है। हाल ही में प्रबंध निदेशक और सीईओ की जिम्मेदारी संभालने वाले शाह ने कहा कि निवेश राशि का उपयोग नये मंच के विकास समेत अन्य संबंधित कार्यों में किया जाएगा। मंच के जरिये समूह की विभिन्न क्षमताओं का उपयोग करते हुए विभिन्न मॉडल का उत्पादन किया जाएगा। यह पूछे जाने पर क्या महिंद्रा एंड महिंद्रा गठजोड़ या भागीदारी पर विचार कर रही है, उन्होंने कहा, ''इलेक्ट्रिक वाहनों के लिये हम भागीदारी पर विचार करेंगे। आने वाला समय ईवी का ही है।'' शाह ने कहा, ''हमारा पहले से गठजोड़ है। हमने इस्राइल की कंपनी आरईई (ऑटोमोटिव) के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर की घोषणा की है। यह छोटे ट्रकों और वाणिज्यिक वाहनों के लिये है। और हम ईवी के क्षेत्र में अन्य भागीदारी भी करेंगे। यानी हम गठजोड़ के लिये तैयार हैं...।''

50 करोड़ डॉलर छोड़ने को तैयार केयर्न एनर्जी, सरकार के सामने रखी यह शर्त

बिजनेस डेस्क:

ब्रिटेन की ऊर्जा कंपनी केयर्न एनर्जी पीएलसी ने कहा है कि यदि भारत सरकार अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता फैसले का सम्मान करते हुए पिछली तारीख से कराधान की वजह से उसे हुए नुकसान का मूल्य लौटाने पर सहमत होती है, तो वह 50 करोड़ डॉलर की राशि छोड़ने को तैयार है। सूत्रों ने बताया कि केयर्न एनर्जी ने इस 50 करोड़ डॉलर की राशि का निवेश भारत सरकार द्वारा चयनित किसी तेल एवं गैस या अक्षय ऊर्जा परियोजना में निवेश करने की पेशकश की है। स्कॉटलैंड की कंपनी ने 1994 में भारत के तेल एवं गैस क्षेत्र में निवेश किया था। एक दशक बाद उसने राजस्थान में बड़े तेल भंडार की खोज की थी। 2006-07 में कंपनी ने अपनी भारतीय परिसंपत्तियों को बीएसई (BSE) में सूचीबद्ध कराया था। उसके 5 साल बाद सरकार ने पिछली तारीख के कर कानून का इस्तेमाल करते हुए केयर्न एनर्जी को पुनर्गठन को लेकर 10,247 करोड़ रुपए के साथ ब्याज और जुर्माने की मांग का नोटिस भेजा था।

क्या है मामला

इसके एवज में सरकार ने भारतीय इकाई में केयर्न के शेष शेयर बेच दिए थे और साथ ही लाभांश जब्त करते हुए कर रिफंड को रोक लिया था। केयर्न ने सरकार के इस कदम को हेग में पंचाट न्यायाधिकरण में चुनौती दी थी। पंचाट ने दिसंबर, 2020 में केयर्न के पक्ष में 1.2 अरब डॉलर (8,800 करोड़ रुपए से अधिक), साथ ही लागत और ब्याज का फैसला दिया था। यह पूरी राशि 12,600 करोड़ रुपए बैठती है। मामले की जानकारी रखने वाले तीन सूत्रों ने बताया कि कंपनी की वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बातचीत चल रही है। कंपनी ने इस बातचीत में भारत सरकार द्वारा 1.2 अरब डॉलर की मूल राशि लौटाने पर 50 करोड़ डॉलर की लागत और ब्याज छोड़ने की पेशकश की है। कंपनी ने कहा है कि वह इस राशि का भारत सरकार द्वारा चयनित किसी तेल एवं गैस या अक्षय ऊर्जा परियोजना में निवेश करने को तैयार है।

कंपनी ने ठुकराई सरकार की पेशकश

भारत सरकार ने हेग में तीन मध्यस्थतों में एक की नियुक्ति की थी और 2015 से वह पंचाट प्रक्रिया में पूरी तरह शामिल रही है। सरकार चाहती है कि केयर्न इस मामले को अब बंद हो चुकी विवाद समाधान योजना 'विवाद से विश्वास' के जरिये सुलझा जाए। विवाद से विश्वास योजना 31 मार्च को बंद हुई है। इसमें कर मांग का 50 प्रतिशत अदा करने पर कर के मामले को समाप्त कर दिया जाता है। हालांकि, कंपनी ने सरकार की इस पेशकश को ठुकरा दिया है।

एफपीआई ने अप्रैल में अब तक भारतीय बाजारों से निकाले 929 करोड़

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अब तक भारतीय बाजारों से 929 करोड़ रुपए निकाले हैं। कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने के बीच आर्थिक पुनरुद्धार प्रभावित होने की आशंका के चलते विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से निकासी कर रहे हैं। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने भारतीय बाजारों में 17,304 करोड़ रुपए, फरवरी में 23,663 करोड़ रुपए और जनवरी में 14,649 करोड़ रुपए डाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एक से नौ अप्रैल के दौरान विदेशी निवेशकों ने शेयरों से 740 करोड़ रुपए और ऋण या बांड बाजार से 189 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस तरह उनकी शुद्ध निकासी 929 करोड़ रुपए रही है। विशेषज्ञों के मुता बिक कोविड के मामले बढ़ने तथा डॉलर की तुलना में रुपए में गिरावट की वजह से एफपीआई निकासी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौद्रिक समीक्षा बैठक में रिजर्व बैंक ने सबको हैरान करते हुए चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एक लाख करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) की खरीद की घोषणा की। इसके बाद रुपए में गिरावट आई और यह 72.4 से 74.8 प्रति डॉलर पर आ गया। अब अन्य उभरते बाजारों को भी एफपीआई का निवेश मिलना शुरू हो गया है। इस महीने में दक्षिण कोरिया और ताइवान को एफपीआई का निवेश मिला है।

पेंशन सेक्टर में एफडीआई लिमिट बढ़ाकर 74प्रतिशत कर सकती है सरकार, मॉनसून सत्र में आ सकता है विधेयक

बिजनेस डेस्क:

सरकार पेंशन क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 74 प्रतिशत कर सकती है। सूत्रों ने कहा कि इस बारे में विधेयक संसद के मॉनसून में लाया जा सकता है। बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा को 49 से बढ़ाकर 74 प्रतिशत करने के कानूनी संशोधन को संसद ने को पिछले महीने ही मंजूरी दी है। बीमा अधिनियम, 1938 में अंतिम बार 2015 में संशोधन कर एफडीआई की सीमा को बढ़ाकर 49 प्रतिशत किया गया था। इससे इस क्षेत्र में पांच साल में 26,000 करोड़ रुपए का विदेशी निवेश आया है। सूत्रों ने बताया कि पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) अधिनियम, 2013 में संशोधन मॉनसून सत्र या शीतकालीन सत्र में लाया जा सकता है। इसके जरिए पेंशन क्षेत्र में एफडीआई की सीमा बढ़ाई जाएगी। अभी पेंशन क्षेत्र में एफडीआई की सीमा 49 प्रतिशत है। सूत्रों ने बताया कि संशोधन विधेयक में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) न्यास को पीएफआरडीए से अलग करने का प्रावधान हो सकता है।

एनपीएस न्यास

एनपीएस न्यास के अधिकार, कामकाज और दायित्व अभी पीएफआरडी (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास) नियमन, 2015 के तहत तय होते हैं। इसे परमार्थ न्यास या कंपनी कानून के तहत लाया जा सकता है। इसके पीछे मंशा एनपीएस न्यास को पेंशन नियामक से अलग करना और 15 सदस्यों के सक्षम बोर्ड का प्रबंधन है। इनमें से ज्यादातर सदस्य राज्यों सहित सरकार से होंगे, क्योंकि इसमें सबसे बड़ा योगदान इन्हीं का रहता है।

अपस्टॉक्स ने ग्राहकों को डेटा में सेंध को लेकर सतर्क किया, कहा; कोष, प्रतिभूतियां सुरक्षित

नयी दिल्ली,

खुदरा ब्रोकिंग कंपनी अपस्टॉक्स ने अपने ग्राहकों को सुरक्षा में सेंध के लिए सतर्क किया है। उड़ाए गए डाटा में उपभोक्ताओं के संपर्क और अपने ग्राहक को जानिये (केवाईसी) ब्योरा शामिल हो सकता है। हालांकि, इसके साथ ही कंपनी ने भरोसा दिलाया है कि ग्राहकों का कोष और प्रतिभूतियां पूरी तरह सुरक्षित हैं। मोबिक्विक, फेसबुक और लिंक्डइन जैसे संगठनों में डेटा में सेंध की खबरों के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। कंपनी के प्रवक्ता ने ई-मेल से भेजे जवाब में कहा, ''हमारे डाटाबेस तक अनधिकृत पहुंच के दावों का ई-मेल मिलने के बाद हमने एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा कंपनी को तीसरे पक्ष की डाटा वेयरहाउस प्रणाली में रखे गए केवाईसी डेटा में सेंध की जांच को कहा है।'' प्रवक्ता ने कहा कि आज सुबह हैकरों ने हमारे डेटा के नमूने डार्क वेब पर डाले हैं। प्रवक्ता ने कहा कि तुरंत किए गए उपायों के तहत कंपनी ने विशेष रूप से अपने तीसरे पक्ष के वेयरहाउस में कई सुरक्षा कदम उठाए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि सतर्कता बरतते हुए हमने सभी अपस्टॉक्स प्रयोगकर्ताओं के लिए ओटीपी के जरिये सुरक्षित तरीके से पासवर्ड को नए सिरे से 'सेट' किया है। अपस्टॉक्स अपने ग्राहकों की सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता देती है। प्रवक्ता ने कहा, ''अपस्टॉक्स के सभी ग्राहकों का कोष और प्रतिभूतियां सुरक्षित हैं। हमने इस घटना की सूचना संबद्ध अधिकारियों को दी है।''

ऑयस्टर और मिल्की मशरूम उगाकर किसानों की आय बढ़ी

नई दिल्ली:

उत्तर प्रदेश में किसान औषधीय गुणों से भरपूर ऑयस्टर और मिल्की मशरूम उगाकर साल भर न केवल अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे है बल्कि मधुमेह और हृदय रोग तथा कई अन्य घातक बीमारियों का सामना कर रहे लोगों को पौष्टिक आहार भी उपलब्ध करा रहे है। मशरूम उगाने में महारत हासिल चुके लखनऊ और उसके आसपास के किसान नवंबर से फरवरी के दौरान भारी मात्रा में बटन मशरूम की फसल उगाते हैं। इस दौरान वातावरण और तापमान इसके लिए अनुकूल रहता है जिसका फायदा लेने का तरीका स्थानीय वैज्ञानिकों की मदद से लोगों ने सीख लिया है। यहां के किसान गर्मी के मौसम में मशरूम की कुछ अन्य किस्मों को उगाने के प्रयास में लगे थे जिससे उन्हें मार्च से अक्टूबर के दौरान उसकी फसल उगा सकें। कुछ किसान तो पूंजी लगाने की तुलना में दस गुना अधिक आय प्राप्त कर रहे हैं। मिल्की मशरूम किसानों को खूबसूरत विकल्प के रूप में मिला जिसे इस समय के दौरान आसानी से उगाया जा सकता है और इसका व्यापक बाजार भी उपलब्ध है। इसमें 20 से 40 प्रतिशत प्रोटीन, 0.5 से 1.3 प्रतिशत रेशा, 0.5 से 1.4 प्रतिशत खनिज, 3.0 से 5.2 प्रतिशत निम्न कार्बोहाइड्रेट, 0.10 से 034 प्रतिशत वसा तथा 16 से 37 कैलोरीज़ पाया जाता है जो मधुमेह और हृदय रोग से प्रभावित लोगों के लिए बेहतरीन आहार है। इसके साथ ही इससे कुपोषण की समस्या का आसानी से समाधान किया जा सकता है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ की मदद से उत्तर प्रदेश की राजधानी के आसपास के किसान अब साल भर मशरूम की पैदावार लेकर अतिरिक्त आय प्राप्त कर रहे है। संस्थान के वैज्ञानिक पी के शुक्ला के अनुसार इस कार्य में विशेषकर शहरी और ग्रामीण युवा विशेष उत्साह के साथ लगे हैं तथा उन्हें सफलता भी मिल रही है। संस्थान युवाओं में जोश के अनुरुप सालोभर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चला रहा है। इसके अलावा सुनियोजित रुप से व्यक्तिगत रूप से इस संबंध में जिज्ञासा रखने वालों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया जाता है। प्रशिक्षण के बाद भी लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो उसके लिए वॉट्सएप ग्रुप और फोन के माध्यम से उनकी समस्याओं का निदान किया जाता है। डॉक्टर शुक्ला के अनुसार औसतन प्रति वर्ष 30 प्रतिशत की दर से मशरूम बीज (स्पन) की मांग बढ़ रही है जिससे ऑयस्टर और मिल्की मशरूम के उत्पादन में हो रही वृद्धि का पता चलता है।

फ्रैंकलीन टेम्पलटन के यूनिटधारकों को दूसरी किस्त में मिलेंगे 2,962 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली,

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (एसबीआई एमएफ) फ्रैंकलीन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की बंद हुई छह योजनाओं के यूनिटधारकों को अगली किस्त के तहत इस सप्ताह 2,962 करोड़ रुपये वितरित करेगी। उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसार एसबीआई एमएफ पहले ही निवेशकों को 9,122 करोड़ रुपये वितरित कर चुकी है। फ्रैंकलीन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड के प्रवक्ता ने रविवार को कहा, ''एसबीआई म्यूचुअल फंड छह योजनाओं के यूनिटधारकों को अगली किस्त के तहत 2,962 करोड़ रुपये वितरित करेगी।''उसने कहा, ''जिन निवेशकों के खाते केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) अद्यतन है, उन्हें सोमवार 12 अप्रैल, 2021 से शुरू सप्ताह के दौरान भुगतान किया जाएगा।'' प्रवक्ता ने कहा कि यूनिटधारकों को भुगतान नौ अप्रैल को यूनिट के शुद्ध संपत्ति मूल्य (एनएवी) के आधार पर आनुपाति रूप से (यूनिटों की संख्या के आधार पर) किया जाएगा। एसबीआई एमएफ पात्र निवेशकों को भुगतान डिजिटल तरीके से करेगी। उच्चतम न्यायालय ने योजनाओं को बंद करने के तहत परिसमापक के रूप में एसबीआई एमएफ को नियुक्त किया है। अगर यूनिटाधारकों का बैंक खाता डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक रूप से भुगतान के लिये पात्र नहीं है तो, उसके पंजीकृत पते पर चेक या 'डिमांड ड्राफ्ट' भेजा जाएगा।'' उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने फ्रैंकलीन टेम्पलटन की छह बांड योजनाओं में निवेश करने वाले निवेशकों का पैसा लौटाने को लेकर संपत्तियों को बाजार पर चढ़ाकर और उससे प्राप्त राशि यूनिटधारकों में बांटे जाने के लिये एसबीआई एमएफ द्वारा तैयार मानक परिचालन प्रक्रिया को मार्च में स्वीकार कर लिया था। फ्रैंकलीन टेम्पलटन एमएफ ने अप्रैल 2020 में छह बांड म्यूचुअल फंड योजनाओं को बंद कर दिया था। कंपनी ने बांड बाजार में नकदी की कमी और निवेश को भुनाने का दबाव का हवाला देते हुए योजनाएं बंद करने की घोषणा की थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ताइक्वांडो ट्रायल्स का संचालन करेगा आईओए

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अनुसार भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के लिए ताइक्वांडो राष्ट्रीय चयन ट्रायल आयोजित करेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि भारतीय ताइक्वांडो महासंघ की मान्यता खत्म कर दी गई है। आईओए, साई और केंद्रीय खेल मंत्रालय के बीच हाल ही में हुई एक संयुक्त बैठक में आईओए के प्रशासन के तहत ट्रायल्स आयोजित करने का निर्णय लिया गया।इससे पहले, साई को 15 से 17 अप्रैल तक चयन ट्रायल आयोजित करना था, लेकिन इसे टाल दिया गया क्योंकि आईओए के पास ही ओलंपिक या एशियाई खेलों जैसे प्रमुख टूर्नामेंट के लिए टीमों को भेजने का अधिखार है है।हालांकि, साई महाद्वीपीय प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करने के लिए चयनित खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता सहित सभी आवश्यक समर्थन देगा। पैरा इवेंट्स में ट्रायल्स आयोजित किए जाएंगे।

आईपीएल-14 : पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के लिए ट्रम्प कार्ड होंगे मॉरिस

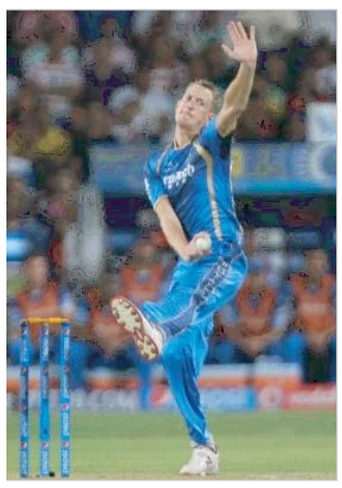

मुंबई।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी क्रिस मॉरिस उस समय एक बड़ी चुनौती का सामना करेंगे जब राजस्थान रॉयल्स (आरआर) सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में लीग के 14वें सीजन के अपने पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स का सामना करेगी। चोट के कारण आईपीएल के सीजन के पहले भाग से जोफ्रा आर्चर के बाहर होने के बाद, मॉरिस को अपनी टीम के फ्रंटलाइन गेंदबाज की जिम्मेदारी निभानी होगी क्योंकि आरआर पर पंजाब किंग्स की पावर-पैक बल्लेबाजी को रोकने की चुनौती होगी। आरआर की सबसे बड़ी समस्या विदेशी तेज गेंदबाजों की की कमी है। पिछले साल, आर्चर दूसरों से कोई समर्थन पाने में विफल रहे क्योंकि केवल स्पिनरों ने अच्छा प्रदर्शन किया। इस बार हालांकि मॉरिस को तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान का समर्थन हासिल होना चाहिए। हालांकि, क्या रहमान को प्लेइंग इलेवन में जगह मिल पाती है या नहीं, यह भी देखने वाली बात होगी। बल्लेबाज जोस बटलर, ऑल-राउंडर बेन स्टोक्स और मॉरिस के साथ निश्चित रूप से, आरआर को रहमान को अंतिम एकादश में शामिल करने के बारे में काफी सोचना होगा क्योंकि उसके पास लियाम लिविंगस्टोन और डेविड मिलर जैसे अन्य हार्ड हिटिंग बल्लेबाज भी हैं।। राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने रविवार दोपहर मीडिया को बताया, संजू (सैमसन) और मैं दोनों सहमत होंगे कि जोफ्रा आर्चर का नहीं होना हमारे लिए एक बड़ा झटका है। जोफ्रा हमारे संयोजन का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उसके पास में नहीं होना दुर्भाग्य से एक वास्तविकता है। हमें इसके चारों ओर काम करना होगा और उसी अनुसार योजना बनानी होगी। ऐसे में जबकि मुंबई की विकेट बल्लेबाजी के अनुकूल है, यह संभावना है कि आरआर रहमान के साथ जाएंगे जो अपने कटर के साथ विविधता लाने के लिए जाने जाते हैं और पिच से कुछ निकाल सकते हैं। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज केएल राहुल, जो पिछले साल ऑरेंज कैप विजेता थे, ने हाल के दिनों में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खराब दौर से गुजरे हैं लेकिन बावजूद इसके वह और मयंक अग्रवाल फिर से पंजाब फ्रेंचाइजी की बल्लेबाजी की रीढ़ बन सकते हैं। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि पंजाब अपने चार खिलाड़ियों का विदेशी कोटा कैसे संतुलित करता है। वे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरन को मौका देंगे या फिर वे टी20 अंतरराष्ट्रीय में शीर्ष क्रम के बल्लेबाज डेविड मालन क मौका देंगे, यह देखना बाकी है।

एक बार देखा कि धोनी पर किस कदर गुस्साए थे द्रविड़ : सहवाग

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि उन्होंने एक बार पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को जबरदस्त गुस्से में देखा था ,जब पाकिस्तान के खिलाफ एक ढीले शॉट के कारण युवा महेंद्र सिंह धोनी ने अपना विकेट गंवा दिया था। सहवाग ने क्रिकबज पर पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा को द्रविड़ के सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बने हालिया विज्ञापन की चर्चा करते हुए बताया , मैंने देखा है कि राहुल द्रविड़ किस हद तक नाराज हो सकते हैं। यह उस समय की घटना है जब हम पाकिस्तान में थे और धोनी एक नए खिलाड़ी थे, तब उन्होंने एक शॉट खेला और पॉइंट पर पकड़े गए। द्रविड़ उनके इस शॉट पर बहुत नाराज थे। उस समय द्रविड़ ने नाराज होते हुए कहा था कि यही तरीका है कि आपके खेलने का? आपको मैच समाप्त करके आना चाहिए था। व्यापक रूप से शांत और मिलनसार व्यक्ति के रूप में जाने जाने वाले द्रविड़ विज्ञापन में बेंगलुरु में ट्रैफिक जाम में साथी यात्रियों पर चिल्लाते और हंसते हुए देखा जा सकता है।सहवाग ने आगे कहा कि धोनी बहुत ज्यादा शॉट नहीं मार रहे थे और अगली बार जब भी वह बल्लेबाजी करने गए तो वह विकेट पर रुकना चाह रहे थे। सहवाग ने कहा, जब धोनी अगली बार बल्लेबाजी के लिए आए, तो मैं देख सकता था कि वह ज्यादा शॉट नहीं मार रहे थे। मैंने जाकर उनसे पूछा कि क्या गलत है। उन्होंने कहा कि वह द्रविड़ द्वारा फिर से डांटना नहीं खाना चाहते।

वानखेड़े स्टेडियम में बिना निगेटिव आरटी-पीसीआर रिपोर्ट के नहीं होगी एंट्री

नई दिल्ली।

देश में बेकाबू हो चुकी कोरोना की दूसरी लहर के बीच आईपीएल के 14वें सीजन का आगाज हो चुका है। बेहद कड़े नियमों और खाली स्टेडियमों के भीतर खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट को लेकर बीसीसीआई सतर्क है और अब बोर्ड की ओर से बड़ा फैसला लिया गया है। कोविड संक्रमण से महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई सर्वाधिक प्रभावित है, यहां के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में 10 मुकाबले खेले जाने है। अब नए नियमों के तहत मैच के दौरान उपस्थित होने वाले सभी अधिकारियों को निगेटिव आरटी-पीसीआर टेस्ट दिखाना होगा। यह रिपोर्ट मैच से 48 घंटे की समय सीमा के भीतर होना चाहिए। आठ अप्रैल को अपेक्स काउंसिल के सदस्यों की बैठक में यह फैसला सुनाया गया। बीसीसीआई की ओर से सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर एक बजे के बीच में आरटी-पीसीआर टेस्ट करवाए जाएंगे। जिन भी अधिकारियों को मैच के दौरान स्टेडियम में उपस्थित होना है या फिर मैच देखना है तो उन्हें इस प्रकिया से गुजरना होगा और अपनी उपस्थिति ई-मेल द्वारा दर्शानी होगी। बीसीसीआई के निर्देश के बाद, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने गुरुवार को अपने एपेक्स काउंसिल के सदस्यों को लिखा कि वानखेड़े के प्रवेश द्वार पर ही कोविड निगेटिव रिपोर्ट दिखानी होगी। वानखेड़े स्टेडियम में पहला मैच आज चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल के बीच होना है। एमसीए सचिव संजय नाइक ने पत्र में लिखा, जिन लोगों को टीका लगाया गया है, उनके लिए भी परीक्षण अनिवार्य है।

हॉकी प्रो लीग : अर्जेंटीना के खिलाफ भारत ने हासिल किया बोनस अंक

ब्यूनस आयर्स।

स्टार गोलकीपर पीआर श्रीजेस के कुछ शानदार बचावों की बदौलत ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ शूट-आउट जीतने से पहले भारत के हरमनप्रीत सिंह ने निर्धारित समय का खेल खत्म होने से सिर्फ छह सेकंड पहले बराबरी का गोल करते हुए अपनी टीम को एफआईएच हॉकी प्रो लीग मुकाबले में बोनस अंक दिलाया। निर्धारित समय में मैच 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ और इसी कारण भारत को एक अंक के अलावा बोनस अंक भी प्राप्त हुआ। बाद में भारत ने शूटआउट में 3-2 से शानदार जीत दर्ज की। इस मैच में हरमनप्रीत ने भारत को 1-0 की लीड दिलाई थी। इसके बाद मार्टिन फरेरो ने लगातार दो गोल करते हुए हाफटाइम तक मेजबान टीम को 2-1 की लीड दिला दी।ऐसा लग रहा था कि मेजबान यह मैच जीत लेंगे लेकिन निर्धारित समय की समाप्ति से पहले हरमनप्रीत ने पेनाल्टी कार्नर पर मैच का अपना दूसरा गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। ड्रॉ ने प्रत्येक टीम के लिए एक अंक की गारंटी दी, लेकिन यह भारत था जो पीआर श्रीजेश से कुछ शानदार गोलकीपिंग के कारण अंततः जीत हासिल करने में सफल रहा। दिलप्रीत सिंह के गोल से भारत ने 3-2 की जीत दर्ज की लेकिन उससे पहले श्रीजेश ने लुकास विला, मार्टिन फेरेइरो और इग्नासियो इटीज को गोल करने से नकारने के लिए शानदार बचाव किए। मैच के बाद हरमनप्रीत ने कहा, इस मैच की खासियत हमारी लड़ाकू प्रवृति रही। हमने अंतिम समय तक उम्मीद बनाए रखा और यह परिणाम हासिल करने के लिए अंत तक कड़ी मेहनत की। हमारे लिए यह जीत काफी मायने रखती है। यह परिणाम भारत को अर्जेंटीना से आगे एफआईएच हॉकी प्रो लीग स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर लेकर आ गया है। भारत के सात मैचों से 12 अंक हैं। अर्जेंटीना ने 11 मैचों में 11 अंक हासिल किए और वह छठे स्थान पर है। दोनों टीमें रविवार देर रात को फिर से एक-दूसरे से भिड़ेंगी। भारतीय समयानुसार यह मैच रात 1.30 बजे से खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मिस्र में भारत के दो फेंसर्स कोरोना पॉजिटिव पाए गए

नई दिल्ली। मिस्र में जारी विश्व जूनियर और कैडेट फेंसिंग चैंपियनशिप में भाग लेने गए दो भारतीय फैंसर कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की। एफएआई अधिकारी ने आईएएनएस को बताया, अगर उनका दूसरा कोविड -19 आरटी पीसीआर परीक्षण रविवार को सकारात्मक रहा तो खिलाड़ी 15 दिनों के क्वारंटीन से गुजरेंगे। 12 लड़कियों सहित 24 सदस्यीय राष्ट्रीय टीम ने रविवार को संपन्न होने वाली नौ दिवसीय विश्व चैंपियनशिप में भाग लिया। एफएआई अधिकारी ने कहा, किसी भी भारतीय टीम के सदस्य ने पदक नहीं जीता है। भारतीय टीम ने तीनों स्पर्धाओं- साब्रे, फॉयल और एपी में भाग लिया।

भारत दो टीमें बनाकर भी दुनिया पर कर सकता है राज, पृथ्वी शॉ की बल्लेबाजी देख बोले माइकल वॉन

पिछले कुछ महीनों में भारतीय टीम के कई खिलाड़ी चोटिल हुए हैं, जिस वजह से भारतीय क्रिकेट की गहराइयों का पता चला है. जिस भी युवा खिलाड़ी को टीम में मौका मिला, उसने बेहतरीन प्रदर्शन कर दिखाया. ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के विरुद्ध कई नए चेहरों को मौका मिले. ऋषभ पंत ने भी शानदार वापसी की. अब ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी कर रहे हैं और उन्होंने पहले ही मैच में बतौर कप्तान अपनी टीम को जीत दिलाई. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन भी भारतीय टीम और उसकी बेंच स्ट्रेंथ से बेहद प्रभावित हैं. उनका मानना है कि भारत दो टीमें बनाकर भी क्रिकेट की दुनिया पर राज कर सकता है. उनका कहना भी सही है. बता दें कि जब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पृथ्वी शॉ ने खराब प्रदर्शन किया तो उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया. लेकिन पृथ्वी शॉ ने अपने प्रदर्शन में सुधार लाया और विजय हजारे ट्रॉफी में बेहतरीन पारियां खेली. चेन्नई के विरुद्ध शनिवार को खेले गए मैच में पृथ्वी शॉ ने 38 गेंदों में ही 72 रन की पारी खेली. अपनी इस पारी में उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के भी लगाए. पृथ्वी शॉ की पारी देखने के बाद माइकल वॉन ने ट्वीट किया- भारतीय क्रिकेट में प्रतिभा की गहराई बहुत अधिक हैज्वे अच्छे हैं और उन्हें सभी प्रारूपों में एक युग तक हावी होना चाहिए. आसानी से 2 टीमें बना सकते हैं.

धीमी ओवर गति के कारण धोनी पर 12 लाख रुपये का जुर्माना

मुम्बई।

आईपीएल के 14वें सीजन में वानखेड़े स्टेडियम में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली सात विकेट की हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के पास निराश होने का एक और कारण था, क्योंकि उनकी टीम पर धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।आईपीएल मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह न्यूनतम ओवर-रेट अपराध से संबंधित उनकी टीम का सीजन का पहला अपराध है। इसे देखते हुए बतौर कप्तान धोनी पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। सीएसके अपने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 188 रन बनाए लेकिन शिखर धवन और पृथ्वी शॉ के बीच शतकीय साझेदारी के बाद दिल्ली ने केवल तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

दिल्ली के नवनियुक्त कप्तान ऋषभ पंत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनकी टीम उनके गुरू रहे धोनी की सुपर किंग्स को 188 रनों पर रोकने में सफल रही और फिर शिखर धवन (85 रन, 54 गेंद,10 चौके, 2 छक्के) तथा पृथ्वी शॉ (72 रन, 38 गेंद, 9 चौके, 3 छक्के) के बीच पहले विकेट के लिए हुई 138 रनों की साझेदारी के दम पर सात विकेट से जीत दर्ज की। दिल्ली की टीम बीते सीजन में फाइनल तक पहुंची थी जबकि सुपर किंग्स प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच सके थे।

दिल्ली के खिलाफ धोनी का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी निराशाजनकर रहा। वह दो गेंदें खेलकर खाता खोले बगैर पवेलिटन लौटे। दिल्ली की टीम के लिए उसके सलामी बल्लेबाजों ने 2016 के बाद पहली बार शतकीय साझेदारी की। इससे पहले राजकोट में गुजरात लायंस के खित्तफ क्विंटन डी कॉक और पंत ने पहले विकेट के लिए 115 रन जोड़े थे। यही नहीं, यह साल 2015 के बाद पहला मौका है जब दिल्ली के दोनों ओपनरों ने एक ही पारी में पचासा लगाया है। इससे पहले मयंक अग्रवाल और श्रेयस अय्यर ने किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के खिलाफ यह कारनामा किया था।यहां बताना जरूरी है कि धवन जब 77 रन पर पहुंचे तब वह सुपर किंग्स के खिलाफ सबेस अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

धवन ने अब तक 910 रन बनाए हैं। वह आरसीबी के कप्तान विराट कोहली (901) से आगे निकल गए हैं

मैं नहीं मानता कि मेसी ने हमारे लिए अंतिम अल क्लासिको खेल लिया : बार्सिलोना निदेशक

बार्सिलोना। स्पेनिश फुटबाल क्लब बार्सिलोना के निदेशक गुलेमों आमोर ने कहा है कि वह नहीं मानते कि लियोनेल मेसी ने उनके क्लब के लिए अंतिम अल क्लासिको खेल लिया है। शनिवार को बार्सिलोना का सामना स्पेनिश लीग में रियल मेड्रिड से हुआ। बार्सिलोना को इस मुकाबले में 1-2 से हार मिली। कहा जा रहा था कि क्लब के लिए यह उसके सबसे बड़े स्टार मेसी का अंतिम अल क्लासिको है। मेसी का क्लब के साथ करार जल्द ही खत्म होने वाला है और इसके रिन्यूअल को लेकर कोई चर्चा नहीं है। कहा जा रहा है कि मेसी क्लब छोड़ने का मन बना चुके हैं लेकिन आमोर ऐसा नहीं मानते। यह पूछे जाने पर कि क्या यह मेसी का अंतिम क्लासिको है, अमोर ने कहा, हमें नहीं लगता। हमें उम्मीद है कि वह बार्सिलोना में बने रहने का फैसला करेंगे और बार्सिलोना के साथ कई और क्लासिको खेलेंगे। मेसी रियल के खिलाफ गोल नहीं कर सके। इस क्लब के साथ उनका खराब प्रदर्शन लगातार जारी है। रियल के खिलाफ बीते सात मैचों से वह एक भी गोल नहीं कर सके हैं। दिन के हिसाब से 1000 दिन पूरे हो चुके हैं लेकिन मेसी रियल के खिलाफ अल क्लासिको मे गोल नहीं कर सके हैं। साल 2018 में मेसी ने रियल के खिलाफ गोल किया था। मजेदार बात यह है कि वह रियल के पुर्तगाली सुपरस्टार क्रिस्टीयानो रोनाल्डो का अंतिम अल क्लासिको था। इसके बाद वह इटली के क्लब जुवेंतस चले गए थे।

महिला अंडर-17 फुटबॉल विश्व कप की टूर्नामेंट निदेशक ने इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। भारत में 2022 में होने वाले अंडर-17 महिला विश्व कप और एएफसी महिला एशिया कप की स्थानीय आयोजन समिति की टूर्नामेंट निदेशक रोमा खन्ना ने निजी कारणों के चलते अपने पद से इस्तीफा दिया।रोमा ने अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी के लिए बोली लगाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्हें बाद में टूर्नामेंट निदेशक नियुक्त किया था। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव कुशल दास ने कहा, रोमा महासंघ के साथ 10 वर्षों से जुड़ी थीं। महासंघ की ओर से हम उनका भारतीय फुटबॉल के प्रति योगदान के लिए आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने देश में दो महिला टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए सफल बोली लगाई थी। एआईएफएफ के अध्यक्ष प्रफुल पटेल ने कहा, 2011 में जब से वह महासंघ से जुड़ी तब से उन्होंने भारत में तीन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट कराए और फीफा यूथ टूर्नामेंट का बेहद सफल आयोजन किया।रोमा ने कहा, भारत में टूर्नामेंट को लीड करना मेरे लिए सम्मान की बात है। स्थानीय आयोजन समिति ने जो कार्य किए उस पर मुझे गर्व है और मैं उस टीम की आभारी हूं जिन्होंने भारत में महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए एक ही दृष्टिकोण अपनाया।

निडर कप्तान हैं ऋषभ पंत : पृथ्वी शॉ

मुम्बई।

दिल्ली कैपिटल्स टीम के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने शनिवार को यहां आईपीएल-14 मुकाबले में अपनी टीम की चेन्नई सुपर किंग्स पर सात विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई। यह बतौर कप्तान ऋषभ पंत का पहला मैच था। शॉ ने कहा कि उनकी टीम को नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर की कमी खली लेकिन पंत एक बेहतरीन कप्तान हैं। सीएसके के खिलाफ मैच में दिल्ली के नवनियुक्त कप्तान पंत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनकी टीम उनके गुरू रहे महेंद्र सिंह धोनी की सुपर किंग्स को 188 रनों पर रोकने में सफल रही और फिर शिखर धवन (85 रन, 54 गेंद,10 चौके, 2 छक्के) तथा शॉ (72 रन, 38 गेंद, 9 चौके, 3 छक्के) के बीच पहले विकेट के लिए हुई 138 रनों की साझेदारी के दम पर सात विकेट से जीत दर्ज की। शॉ ने मैच के बाद कहा, हम वास्तव में श्रेयस अय्यर को याद कर रहे हैं। उन्होंने टीम का बहुत अच्छा नेतृत्व किया। हालांकि, ऋषभ पंत बहुत स्मार्ट हैं। वह निडर है और खेल का आनंद लेता है। वह मैदान पर बहुत मनोरंजक है और एक कप्तान के रूप में बहुत शांत है। वह टीम के लिए शानदार काम कर रहे हैं।आस्ट्रेलिया में खराब प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम से निकाले गए शॉ ने कहा कि अभी वह भारतीय टीम में वापसी के बारे में नहीं सोच रहे हैं। इससे पहले शॉ ने विजय हजारे ट्राफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार शतक लगाए। अब शॉ ने आईपीएल के इस सीजन के पहले ही मैच में शानदार अर्धशतक जड़ा है। शॉ ने कहा, मैं अभी भारतीय टीम के बारे में अधिक नहीं सोच रहा क्योंकि टीम से निकाला जाना सचमुच काफी निराशाजनक था। मैं उससे आगे बढ़ गया हूं। मैंने मान लिया है कि मेरी बैटिंग तकनीक में कमी है और मुझे सबसे पहले उसे सुधारना है। मुझे इस पर काम करते हुए अपने आप में सुधार लाना है। इसके लिए मैं किसी तरह का बहाना नहीं बना सकता। दिल्ली की टीम बीते सीजन में फाइनल तक पहुंची थी जबकि सुपर किंग्स प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच सके थे। दिल्ली के खिलाफ धोनी का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी निराशाजनकर रहा। वह दो गेंदें खेलकर खाता खोले बगैर पवेलिटन लौटे। अपनी वापसी वाली पारी के बारे में पृथ्वी शॉ ने कहा, हमने जो प्लान बनाया, उस पर अमल भी किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद ड्रॉप होने के बाद मैं प्रवीण (आमरे) सर के पास गया। अपनी बैटिंग पर चर्चा की और फिर घरेलू मैच खेले, जिसका मुझे फायदा हुआ। मुझे बहुत खुशी है कि मैं वापसी कर सका। मेरी बैटिंग में जो भी कमी है, मैं उस पर काम कर रहा हूं।

आईपीएल के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की भी तैयारी, बीसीसीआई का शानदार प्लान

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ी भले ही आईपीएल 2021 में व्यस्त हों, लेकिन इस दौरान भी वो इंग्लैंड में होनेवाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल की तैयारी कर सकते हैं। बीसीसीआई ने उनकी प्रैक्टिस और तैयारी के लिए आईपीएल सीजन के दौरान भी विशेष इंतजाम किया है। भारतीय खिलाड़ियों को टी20 टूर्नामेंट के दौरान भी अभ्यास के लिए लाल ड्यूक गेंद उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा भी अगर गेंदबाज किसी तरह की मदद चाहेंगे, तो नेशनल टीम के कोच उनकी फौरन मदद करेंगे। आपको बता दें कि आईपीएल के बाद भारत को 18 से 22 जून के बीच न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच खेलना है। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला भी होनी है। ऐसे में अगर टेस्ट मैच के खिलाड़ी लाल ड्यूक गेंद से प्रैक्टिस करना चाहें, तो उन्हें ये सुविधा मिल सकती है। लेकिन ये पूरी तरह वैकल्पिक व्यवस्था होगी, और खिलाड़ियों की मर्जी पर निर्भर करेगी। आईपीएल फाइनल और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बीच केवल 20 दिनों का अंतर है और इसी को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने यह कदम उठाया है। आईपीएल 29 मई को खत्म होगा और अगर टीम एक-दो दिनों में दौरे पर निकल गई, तो इंग्लैंड में सबसे पहले उन्हें एक सप्ताह तक आइसोलेशन में रहना होगा। उसके बाद नेट प्रैक्टिस के लिए मुश्किल से 10 दिनों का समय मिलेगा। न्यूजीलैंड की टीम इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलकर इसके लिए तैयार होगी, जबकि भारतीय खिलाड़ी आईपीएल के तुरंत बाद वहां पहुंचेंगे। दोनों प्रारुपों में काफी अंतर होता है, और टेस्ट मैच के लिए ढलने में उन्हें वक्त लग सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है पालक की खेती

पत्ती वाली सब्जियों में कैल्सियम, आयरन इत्यादि खनिज तत्व व विटामिन 'ए' 'बी' काम्पलैक्स व 'सी' बहुतायत में पाये जाते हैं। पत्ती वाली सब्जियों में पालक का महत्तवपूर्ण स्थान है। जो कि मुख्यतः अपनी मुलायम एवं कोमल पत्तियों के लिए उगाया जाता है। पालक का कोमल तना भी प्रयोग में लाया जाता हैं पालक की खेती सर्दियों में अधिक की जाती है।

भूमि और जलवायु

पालक की खेती पूरे साल विभिन्न प्रकार की जलवायु में की जा सकती है। परन्तु अत्यधिक तापक्रम इसके लिए हानिकारक होता है। अतः सर्दियों के महीने पालक की खेती के लिए उपयुक्त होते हैं।

भूमि की तैयारी

पालक को पर्याप्त उर्वरता वाली सभी प्रकार की मिट्टीयों में उगाया जा सकता है। भूमि में जल निकास का भी उचित प्रबन्ध होना चाहिए। बलुई दोमट पालक के विकास के लिए अच्छी भूमि होती है। पालक की प्रजाति जैसे जोबनेर ग्रीन इत्यादि को 8 से 10 पी. एच. मान की क्षारीय भूमियों में भी उगाया जा सकता है।

पालक की बुआई के लिए खेत को 3-4 जुताइयाँ करके मिट्टी को भुरभुनी बना लेना चाहिए। उचित जलनिकास के लिए खेत को पाटे द्वारा समतल करना भी आवश्यक होता है।

प्रजातियां

भारत में पालक की बहुत सी प्रजातियां उगाई हैं परन्तु अधिक पोषक तत्वों एवं मुलायम पत्तियों वाली कटाई के बाद अच्छी और जल्दी पुर्नवृद्धि वाली एवं देर से कल्ले फूटने वाली प्रजाति ही अच्छी मानी जाती है। पालक की कुछ मुख्य प्रजातियां निम्नलिखित हैं – पालक आल ग्रीन, पालक पूसा ज्योति, पालक हरित, पालक भारती, जोवनेर ग्रीन ।

बुआई

मैदानी क्षेत्रों में पालक की बुआई वर्ष में तीन बार की जा सकती है। 1 बसन्त ऋतु के शुरू में, 2 वर्षा के शुरू में, 3 मुख्य फ़सल सितम्बर व नवम्बर के मध्य में बीज द्वारा तैयार खेत में पंक्तियों में बुआई करना उचित रहता है। क्योंकि पंक्तियों में बुआई करने से खरपतवार नियंत्रण , अन्तःकर्षण क्रियाएं एवं कटाई आसानी से की जा सकती है। बीज को 20 सें0मी0 की दूरी पर बनी पंक्तियों में 3-4 सें0मी0 की गहराई पर बोना चाहिए। यह ध्यान रहें कि बीज बोने से पहले खेत में पर्याप्त नमी रहनी चाहिए। एक हेक्टेअर क्षेत्र की बुआई के लिए 25-30 कि. ग्राम. बीज काफी रहता है।

खाद एवं उर्वरक

पत्तियों वाली सब्जियों के लिए नाइट्रोजन बहुत ही आवश्यक तत्व है। खेत की तैयारी अर्थात् बुआई से 12-15 दिन पहले 15 - 20 टन प्रति हेक्टेअर के हिसाब से गोबर की खाद मिट्टी में मिला देनी चाहिए। 30 कि0ग्रा0 नाइट्रोजन, 25 कि0ग्रा0 फॉस्फोरस एवं 50 कि0ग्रा0 पोटाश बुआई से पहले खेत तैयार करते समय मिट्टी में मिला दें। हरी एवं मुलायम पत्तियों कटाई के बाद खेत में डालनी चाहिए।

सिंचाई

पालक में सिंचाई मौसम एवं मिट्टी की स्थिति पर निर्भर करती है। यदि खेत में बुआई के समय पर्याप्त नमी न हो तो बुआई के तुरन्त बाद एक हल्की सिंचाई करनी चाहिए। बसन्त एवं गर्मी के मौसम में छः से सात दिन के अन्तराल तथा सर्दियों में दस से पन्द्रह दिन के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए।

फसल सुरक्षा

डेम्पिंग ऑफ एवं सरकोस्पोरा लीफ स्पोट मुख्य बीमारियाँ हैं। डेम्पिंक ऑफ से बचने के लिए बीज को बुआई से पहले 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से कैप्टन या थिरम से उपचारित करना चाहिए। जबकि सरकोस्पोरा लीफ स्पाट, जिसमें पत्तियों पर भूरे रंग के गोल घब्बे बन जाते हैं, के नियंत्रण के लिए ब्लाइटाक्स, कॉपर आक्सीक्लोराइड दवाई, दो ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीटल, पत्ती खाने वाला लार्वा, टिड्डा और एफिड कीड़े पालक को नुकसान पहुँचाते हैं। इन कीड़ों की रोकथाम के लिए मिथाइल पेराथियोन 50 ई0सी0 की दो ग्राम प्रति लीटर पानी में छिड़काव करने से पत्तियों को नुकसान पहुँचाने वाले कीडों से बचाया जा सकता है।

खरपतवार नियंत्रण

पालक में खुरपी द्धारा खरपतवार निकालने की एक मुख्य प्रक्रिया है। सामान्यतः दो तीन अन्तः आकर्षण क्रियाएँ ही खरपतवार नियंत्रण के लिए पर्याप्त रहती है।

कटाई एवं उपज

पालक की फसल की पहली कटाई, बुआई के 3-4 सप्ताह बाद की जाती है। जब कि अन्य बाद वाली कटाइयाँ 15 से 20 दिन के अन्तराल पर करनी चाहिएँ। सामान्यतः 4-6 कटाई ली जा सकती हैं जिससे 80-100 कुन्टल प्रति हेक्टेयर पालक की हरी पत्तियों की उपज प्राप्त की जा सकती है।

कृषि : बदले खेती के तरीके

कृषि यंत्रों का ऐतिहासिक सफर

विश्व में खेती का इतिहास जितना पुराना है कमो-बेश कृषि यंत्रों का इतिहास भी उतना ही पुराना है। खेतों को तैयार करने, जोतने बोने, फसल काटने आदि के लिए मनुष्य को आरंभ से ही उपकरणों की जरूरत रही है। आरंभ में वे सब औजार लकड़ी, पत्थर या हड्डी के रहे होंगे लेकिन धातु के आविष्कार के बाद पत्थर और हड्डी की जगह धातु ने ले ली और लकड़ी के हल में भी लोहे के फल लगने लगे। इसी प्रकार कुदाल, फावड़ा, खुरपी, हँसिया आदि दूसरे प्रकार के उपकरण भी बनाए और मानवशक्ति के साथ-साथ पशुशक्ति का उपयोग किया जाने लगा। इसके लिए बैल, घोड़ा, खच्चर, ऊँट अधिक लाभदायक सिद्ध हुए। इन्हीं साधनों और पशुओं में थोड़े से बदलाव के साथ संसार के सभी देशों में 18वीं शताब्दी के आरंभ तक खेती होती रही। अठारहवीं शताब्दी में उद्योगों में यंत्रीकरण के बाद कृषि क्षेत्र में भी लोगों का ध्यान इस ओर गया तथा धीरे-धीरे कृषि उपकरण यंत्र बनते गए। उन्नत देशों में सन 1840 से ही लगभग लोहे के हलों का उपयोग होने लगा था। 20वीं शताब्दी में हलों में पर्याप्त सुधार किए गए, जिनके कारण हलों पर भार घट गया। कोल्टर्स के उपयोग के कारण हलों में खरपतवार भी कम फसते है तथा ये आसानी से चलते भी हैं। अब रबर के पहिए के कारण कृषि यंत्रों और ट्रैक्टरों द्वारा भार के खिंचाव में सुविधा हो गई है। अच्छे डिजाइन और बनावट तथा सुदृढ़ धातु के उपयोग के कारण घर्षण कम हो गया है। पिछड़े हुए देशों में आज तक भी अच्छे प्रकार के कृषि यंत्रों का मिलना एक समस्या है। सन 1900 के बाद विशेषतः प्रथम विश्वयुद्ध के पश्चात, रूस, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिणी अमरीका और अफ्रीका में कृषि के यंत्रीकरण का प्रचलन अधिक हुआ। श्रम का महत्व समझने वाले अनेक देशों के कृषक जुताई तथा फसल की बटाई आदि कार्यों के लिए ट्रैक्टर का इस्तेमाल करने लगे, किंतु अफ्रीका और एशिया के बहुत से देशों में अभी यांत्रिक शक्ति का उपयोग अधिक मात्रा में नहीं हो रहा है। रूस के साइबीरिया क्षेत्र में सामूहिक खेतों पर तथा दक्षिण व मध्य अमरीका में मक्का उगाने के लिए, अर्जेंटीना में कपास तथा ईख आदि के लिए यंत्रों का उपयोग विशेष रूप से होता है।

आधुनिक यंत्रों के प्रयोग से खाद्य एवं पहनने की वस्तुओं के उत्पादन में काफी प्रगति हुई है। क्षेत्र और विभिन्न प्रकार की फसलों का ध्यान रखते हुए अनेक प्रकार के यंत्रों का निर्माण होने लगा है। खेती के काम के लिए शक्ति के बढ़ते हुए उपयोग के कारण, मशीनों को चलाने वाली मोटरों तथा विद्युत का प्रयोग तीव्र गति से बढ़ रहा है। संयुक्त राज्य अमरीका में, खेती की वृद्धि के साथ-साथ विद्युत शक्ति का उपयोग मुर्गी तथा सूअरों के पालने, घास सुखाने, आटा पीसने तथा डेअरी मशीनें आदि चलाने के कार्यों में भी होने लगा है। जिसकी वजह से घोड़ों और ऊँटों का प्रयोग बहुत ही कम हो गया। हाथ तथा पशुओं से चलाए जानेवाले यंत्रों में भी पर्याप्त सुधार हुआ और शक्तिचालित यंत्रों

का आविष्कार एवं उपयोग बढ़ता गया। कृषि अनुसंधानकर्ताओं तथा अभियंताओं ने अब पौधे लगाने वाली, चुकंदर के बीज अलग करनेवाली एवं दाना तथा भूसा अलग करने आदि, कृषि कार्यों के लिए उपयोगी मशीनों को भी शक्तिचालित बनाने में सफलता प्राप्त करली है। संयुक्त राज्य अमरीका में कृषि कार्य में शक्ति और यंत्रों के उपयोगों के प्रारंभ का क्षेत्र बड़ा व्यापक था, वहाँ के खेत विभिन्न प्रकार की मिट्टी के होने के कारण छोटे-छोटे भागों में बँटे हुए थे। अतः वहाँ छोटे से छोटे खेतों में उपयोग करने के निमित्त मशीनें बनीं, जिसका ज्वलंत उदाहरण छोटे ट्रैक्टर हैं। ये पारिवारिक तथा छोटे खेतों के लिए उपयोगी सिद्ध हुए है। यही बात प्लांटिंग मशीन और फर्टिलाइजर डिस्ट्रिब्यूटर के विषय में भी कही जा सकती है।

ग्रेट ब्रिटेन में जुताई के लिए भाप से चलने वाले ट्रैक्टर उपयोग में लाए जाते थे। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वहाँ पेट्रोल से चलने वाले ट्रैक्टरों की संख्या अधिक हो गई। कृषि संबंधी श्रमिकों की कमी ने खेतों पर शक्ति तथा यंत्रों के उपयोग में दिनों दिन वृद्धि की है। वहाँ के किसानों ने घास से अधिक लाभ उठाने के हेतु मशीनों का उपयोग विशेष रूप से किया। वर्षा के कारण घास को अच्छी दशा में रखना कठिन था, अतः घास को साइलों में रखने की प्रथा का पर्याप्त विकास हुआ। परिणामस्वरूप इनसाइलेज कटर (चारा काटने की मशीन), साइलोफियर, साइलेज हारवेस्टर जैसी मशीनें प्रचलन में आई। वहाँ कुछ फसलों की कटाई रीपर के द्वारा होती है, जो फसल को बिना गट्ठर बनाए ही भूमि पर डाल देता है। यह कटी हुई फसल ट्रकों में भरकर मड़ाई के लिए जाती है। वहाँ की थ्रेशिंग मशीनें केवल भूसे को ही दाने से अलग नहीं करतीं, वरन छोट-छोटे खरपतवार, लकड़ी, पत्थर और मिट्टी को भी अनाज से अलग करती है। हवा में अधिक नमी होने के कारण ब्रिटेन के बहुत से चरागाहों में काई पैदा हो जाने से गर्मी में हैरो का उपयोग होने लगा है।

सोवियत रूस में सहकारी खेती, पंचवर्षीय योजना, भूमिसुधार और छोटे-छोटे खेतों को तोड़कर बड़े फार्म बनाने की योजनाओं के कार्यान्वित होने से ही यांत्रिक खेती की प्रगति हुई है। सुनिश्चित समय में योजनाओं के अंतर्गत यंत्रीकरण उन्नति की ओर विशेष तथा सस्ते ईधंन की प्राप्ति, रूस के कृषियंत्रीकरण में विशेष सहायक सिद्ध हुई। देश में ट्रैक्टर बनाने के बहुत से कारखाने खोले गए तथा आदमियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई। लगभग सन 1940 तक रूस में खेती का एक बड़ा भाग सामूहिक खेती के रूप में होता रहा। अंत में इन छोटे भागों को मिलाकर बड़ी इकाई का रूप दे दिया गया, जिसके प्रबंध में पर्याप्त सुविधा हुई। मध्यम तथा छोटे सामूहिक खेत वाले आवश्यकता पडने पर राजकीय खेतों से मशीनें लाकर कार्य करते हैं। सन 1936 के बाद रूस में मशीनें गेहूँ, जौ, जई, राई और दूसरे अनाज उगाने के काम में आने लगीं और जो मशीनें अन्यत्र यांत्रिक खेती के लिये प्रयुक्त होती रहीं उनका उपयोग कपास, चुकंदर इत्यादि फसलों की खेती में भी किया जाने लगा। अब वहाँ लगभग सभी कृषि कार्य मशीनों के द्वारा होते हैं। दूसरे शब्दों में कृषि का 95 प्रतिशत यंत्रीकरण हो चुका है, वहाँ विभिन्न प्रकार के 1,000 कृषियंत्र बनने लगे हैं।

जर्मनी में लोगों का झुकाव डीजल तथा सेमिडीजल छोटे ट्रैक्टरो के निर्माण की ओर अधिक है। यांत्रिक शक्ति के उपयोग से फसल उगाने के लिये पुरस्कार स्वरूप जर्मनी के कृषकों को 3 से 5 एकड़ ज़मीन मिल जाती थी। स्वभावतः लोगों का झुकाव ट्रैक्टरों एवं ट्रकों से कृषि उत्पाद बाजार ले जाने की ओर हुआ। वहाँ मशीनों के डिजाइन में खाद्योत्पादन की वृद्धि की और विशेष ध्यान दिया गया, जिससे वहाँ के छोटे छोटे फार्मों से अत्यधिक लाभ उठाया जा सके। कतारों में बुनाई करनेवाली इस देश की मशीनों की सूक्ष्मता दूसरे देशों के लिये एक उदाहरण है। द्वितीय विश्वयुद्ध के पूर्व भी जर्मनी के खेतों पर विद्युत शक्ति का उपयोग होता था। सिफ्ट जर्मनी का एक विख्यात ट्रैक्टर है, जिसका निर्माण सन 1947-48 में प्रारंभ हुआ। ट्रैक्टरों से चलनेवाले स्पाइक टुथ हैरो तथा पल्वराइजर इत्यादि इस देश में बहुताएत निर्मित होते हैं।

फ्रांस में छोटे छोटे खेतों की अधिकता के कारण यांत्रिक खेती का उतना विकास नहीं है जितना इंगलैंड, रूस तथा जर्मनी में है। फ्रांस के कृषक अपने शक्तिशाली घोड़ों के लिये प्रसिद्ध हैं। कृषि कार्यों के लिये इनका उपयोग बड़ी मात्रा में होता है, इसके बावजूद इस देश में छोटे ट्रैक्टरों का उपयोग बढ़ा है। इस देश में स्प्रेइंग तथा डस्टिंम मशीनों का प्रयोग एवं फलों तरकारियों की खेती में अधिक तथा कुछ सीमा तक व्यापारिक उर्वरक के लिये होता है। दक्षिणी अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड तथा अर्जेंटाइना में भी कृषि यंत्रों की ओर लोगों का झुकाव है किंतु जहाँ कही भी ईंधन मंहगा और पशु रखने की सुविधा है वहां के किसानों ने पशु शक्ति पर निर्वाह करना उचित समझा। इन देशों में यांत्रिक शक्ति का उपयोग केवल खेत तैयार करने तथा फसल की कटाई तक ही सीमित है। न्यूजीलैंड में डेअरी उद्योगों की उन्नति होने के फलस्वरूप वहाँ पर डेअरी से संबंधित यंत्रों का अत्यधिक मात्रा में उपयोग तथा विकास हुआ है। अफ्रीका में नील नदी की घाटी और दक्षिणी अफ्रीका के अतिरिक्त अन्य सभी जगह खेती अब भी पुराने ढंग से की जाती है और सामान्य यंत्र तथा पशु उपयोग में लाए जाते हैं। यही स्थिति एशिया के बहुत से देशों की है।

अधिक जनसंख्या होने के कारण चीन में ट्रेक्टरों तथा बड़ी मशीनों का उपयोग बहुत ही सीमित है। मानव एवं पशुचालित यंत्र ही वहाँ विशेष प्रचलित हैं। चीन में कृषि कार्यों की शक्ति का मुख्य साधन मनुष्य ही है। यहाँ तक कि हल तथा गाडियाँ भी मनुष्यों द्वारा चलाई जाती हैं। साइलेज कटर, पनचक्की, राइस हलर, राइस थ्रैशर, दो पहिए वाले हल इत्यादि कुछ उन्नतिशील कृषि यंत्रों का निर्माण अब चीन में होने लगा है। यूरोप और संयुक्त राज्य अमरीका में विद्युतचलित यंत्रों का प्रयोग होने लगा है क्योंकि वहाँ बिजली अधिक सस्ते दर पर उपलब्ध है एवं इसको उपयोग में लाना भी सरल होता है। इसके अतिरिक्त विद्युत-चालित औजार और यंत्र भी पर्याप्त समय तक ठीक दशा में रखे जा सकते हैं, समय की बचत होती है, कार्य निपुणता बढ़ती है और व्यय कम होता है। भारत में कृषि यंत्रों का व्यवहार हालांकि हरित क्रान्ति के बाद से आरंभ हुआ है और आज उसका तेजी से विस्तार हो रहा है। हमारे यहां किसान की जरूरतों के आधार पर कृषि यंत्र नहीं बनाए जाते, यहां आज तक विदेशों की नकल पर तैयार यंत्रों का चलन है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैत्र नवरात्र

परम्परा और संस्कृति का पर्व

हमारे वेद, पुराण व शास्त्र साक्षी हैं कि जब-जब किसी आसुरी शक्तियों ने अत्याचार व प्राकृतिक आपदाओं द्वारा मानव जीवन को तबाह करने की कोशिश की तब-तब किसी न किसी दैवीय शक्तियों का अवतरण हुआ। इसी प्रकार जब महिषासुरादि दैत्यों के अत्याचार से भू व देव लोक व्याकुल हो उठे तो परम पिता परमेश्वर की प्रेरणा से सभी देवगणों ने एक अद्भुत शक्ति का सृजन किया जो आदि शक्ति मां जगदंबा के नाम से सम्पूर्ण ब्रह्मांड में व्याप्त हुईं। उन्होंने महिषासुरादि दैत्यों का वध कर भू व देव लोक में पुन:प्राण शक्ति व रक्षा शक्ति का संचार कर दिया। शक्ति की परम कृपा प्राप्त करने हेतु संपूर्ण भारत में नवरात्रि का पर्व बड़ी श्रद्धा, भक्ति व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 13 अप्रेल शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से प्रारम्भ होगी। प्रतिपदा तिथि के दिन शारदिय नवरात्रों का पहला नवरात्र होगा। माता पर श्रद्धा व विश्वास रखने वाले व्यक्तियों के लिये यह दिन विशेष रहेगा। 21अप्रैल को नवरात्र पूर्ण हो जाएंगे। नवरात्रि का अर्थ होता है, नौ रातें। हिन्दू धर्मानुसार यह पर्व वर्ष में दो बार आता है। एक शरद माह की नवरात्रि और दूसरी बसंत माह की। इस पर्व के दौरान तीन प्रमुख हिंदू देवियों- पार्वती, लक्ष्मी और सरस्वती के नौ स्वरुपों श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कुष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी, श्री सिद्धिदात्री का पूजन विधि विधान से किया जाता है। जिन्हे नवदुर्गा कहते हैं।

नव दुर्गा- श्री दुर्गा का प्रथम रूप श्री शैलपुत्री हैं। पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने के कारण ये शैलपुत्री कहलाती हैं। नवरात्र के प्रथम दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है। इसके आलावा श्री दुर्गा का द्वितीय रूप श्री ब्रह्मचारिणी का हैं। यहां ब्रह्मचारिणी का तात्पर्य तपश्चारिणी है। इन्होंने भगवान शंकर को पति रूप से प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। अत: ये तपश्चारिणी और ब्रह्मचारिणी के नाम से वि यात हैं। नवरात्रि के द्वितीय दिन इनकी पूजा और अर्चना की जाती है। श्री दुर्गा का तृतीय रूप श्री चंद्रघंटा है। इनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र है, इसी कारण इन्हें चंद्रघंटा देवी कहा जाता है। नवरात्रि के तृतीय दिन इनका पूजन और अर्चना किया जाता है। इनके पूजन से साधक को मणिपुर चक्र के जाग्रत होने वाली सिद्धियां स्वत: प्राप्त हो जाती हैं तथा सांसारिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। श्री दुर्गा का चतुर्थ रूप श्री कूष्मांडा हैं। अपने उदर से अंड अर्थात् ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इन्हें कूष्मांडा देवी के नाम से पुकारा जाता है। नवरात्रि के चतुर्थ दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है। श्री कूष्मांडा की उपासना से भक्तों के समस्त रोग-शोक नष्ट हो जाते हैं। श्री दुर्गा का पंचम रूप श्री स्कंदमाता हैं। श्री स्कंद (कुमार कार्तिकेय) की माता होने के कारण इन्हें स्कंदमाता कहा जाता है। नवरात्रि के पंचम दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है। इनकी आराधना से विशुद्ध चक्र के जाग्रत होने वाली सिद्धियां स्वत: प्राप्त हो जाती हैं। श्री दुर्गा का षष्ठम् रूप श्री कात्यायनी। महर्षि कात्यायन की तपस्या से प्रसन्न होकर आदिशक्ति ने उनके यहां पुत्री के रूप में जन्म लिया था। इसलिए वे कात्यायनी कहलाती हैं। नवरात्रि के षष्ठम दिन इनकी पूजा और आराधना होती है। श्रीदुर्गा का सप्तम रूप श्री कालरात्रि हैं। ये काल का नाश करने वाली हैं, इसलिए कालरात्रि कहलाती हैं। नवरात्रि के सप्तम दिन इनकी पूजा और अर्चना की जाती है। इस दिन साधक को अपना चिज़ भानु चक्र (मध्य ललाट) में स्थिर कर साधना करनी चाहिए। श्री दुर्गा का अष्टम रूप श्री महागौरी हैं। इनका वर्ण पूर्णत: गौर है, इसलिए ये महागौरी कहलाती हैं। नवरात्रि के अष्टम दिन इनका पूजन किया जाता है। इनकी उपासना से असंभव कार्य भी संभव हो जाते हैं। श्री दुर्गा का नवम् रूप श्री सिद्धिदात्री हैं। ये सब प्रकार की सिद्धियों की दाता हैं, इसीलिए ये सिद्धिदात्री कहलाती हैं। नवरात्रि के नवम दिन इनकी पूजा और आराधना की जाती है।

शुभता के लिए मनाएँ नवसंवत्सर

घर को ध्वजा, पताका, तोरण, बंदनवार, फूलों आदि से सजाएँ व अगरबत्ती, धूप आदि से सुगंधित करें। दिनभर भजन-कीर्तन कर शुभ कार्य करते हुए आनंदपूर्वक दिन बिताएँ। सभी जीव मात्र तथा प्रकृति के लिए मंगल कामना करें। नीम की पत्तियाँ खाएँ भी और खिलाएँ भी। ब्राह्मण की अर्चना कर लोकहित में प्याऊ स्थापित करें। इस दिन नए वर्ष का पंचांग या भविष्यफल ब्राह्मण के मुख से सुनें। इस दिन से दुर्गा सप्तशती या रामायण का नौदिवसीय पाठ आरंभ करें। आज से परस्पर कटुता का भाव मिटाकर समता-भाव स्थापित करने का संकल्प लें। गुड़ी पड़वा व्यंजन श्रीखंड, पूरणपोळी और बताशे खाएँ व खिलाएँ। घरों की खिड़की में गुड़ी बनाकर आभूषणों से सजाकर लगाए। गुड़ी को नवीन वस्त्राभूषण ही पहनाएँ। आम्र पत्तों से द्वार सजाएँ। रंगोली में विष्णु भगवान के शंख, चक्र, गदा पद्म बनाएँ।

प्रतिपदा व्रतफल- चिर सौभाग्य प्राप्त करने की कामना जिनके मन में हो, उन श्रद्धालुओं के लिए यह व्रत अति उत्तम है। इससे वैधव्य दोष नष्ट हो जाता है। यह व्रत करने से धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक, व्यावहारिक आदि सभी काम बन जाते हैं। इससे वर्षपर्यंत घर में शांति बनी रहती है। इस व्रत के करने से दु:ख- दारिर्द्य का नाश होता है और धन-धान्य की वृद्धि होती है।

नए वर्ष के स्वागत का पर्व

चैत्र पक्ष वर्ष प्रतिपदा के दिन गुड़ी उभार कर संवत्सर का स्वागत किया जाता है। इस उत्सव को वैसे तो सभी मराठी भाषी पूरे उत्साह से मनाते हैं लेकिन उन परिवारों में इसको मनाने का उत्साह और बढ़ जाता है जिनके यहां नई बहू आती है। नई बहू से गुड़ी पूजन का विशेष महत्व होता है। इसका महत्व यह बताया गया है कि घर की बागडो़र नई पीढ़ी को सौंपी जाए। इस दिन घर के लोग सुबह जल्दी उठकर स्नान करते हैं। नई बहू और बेटे से संयुक्त रूप से गुड़ी का पूजन कराया जाता है। फिर घर के सभी लोग पूजन करते हैं। यह वर्ष प्रतिपदा का दिन होता है। नए वर्ष का शुभारंभ माना जाता है। इस दिन घर आने वाली हर नई वस्तु का भी विशेष महत्व होता है। यह वर्ष प्रतिपदा का दिन होता है। नए वर्ष का शुभारंभ माना जाता है। इस दिन घर आने वाली हर नई वस्तु का भी विशेष महत्व होता है। विक्रम संवत के महीनों के नाम आकाशीय नक्षत्रों के उदय और अस्त होने के आधार पर रखे गए हैं। सूर्य, चन्द्रमा की गति के अनुसार ही तिथियां भी उदय होती हैं। मान्यता है कि इस दिन दुर्गा जी के आदेश पर श्री ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी। इस दिन दुर्गा जी के मंगलसूचक घट की स्थापना की जाती है।

कहा जाता है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य रूप में अवतार लिया था। सूर्य में अग्नि और तेज हैं और चन्द्रमा में शीतलता, शांति और समृद्वि का प्रतीक सूर्य और चन्द्रमा के आधार पर ही सायन गणना की उत्पत्ति हुई है। नया संवत्सर प्रारंभ होने पर भगवान की पूजा करके प्रार्थना करनी चाहिए - हे भगवान! आपकी कृपा से मेरा वर्ष कल्याणमय हो, सभी विघ्न बाधाएं नष्ट हों। दुर्गा जी की पूजा के साथ नूतन संवत की पूजा करें। घर को वंदनवार से सजा कर पूजा का मंगल कार्य संपन्न करें। कलश स्थापना और नए मिट्टी के बरतन में जौ बोए और अपने घर में पूजा स्थल में रखें। स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए नीम की कोपलों के साथ मिश्री खाने का भी विधान है। इससे रक्त से संबंधित बीमारी से मुक्ति मिलती है।

- एक प्राचीन मान्यता है कि आज के दिन ही भगवान राम जानकी माता को लेकर अयोध्या लौटे थे। इस दिन पूरी अयोध्या में भगवान राम के स्वागत में विजय पताका के रूप में ध्वज लगाए गए थे। इसे ब्रह्म ध्वज भी कहा गया।
- एक अन्य मान्यता है कि ब्रह्मा जी ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही सृष्टि की रचना की। श्री विष्णु भगवान ने वर्ष प्रतिपदा के दिन ही प्रथम जीव अवतार (मत्स्यावतार) लिया था।
- यह भी मान्यता है कि शालीवाहन ने शकों पर विजय आज के ही दिन प्राप्त की थी इसलिए शक संवत्सर प्रारंभ हुआ। धार्मिक दृष्टि से फल, फूल, पज़ियां, पौधों तथा वृक्षों का विशेष महत्व है। चैत्र मास में पेड़-पौधों पर नई पत्तियों आ जाती हैं तथा नया अनाज भी आ जाता है जिसका उपयोग सभी देशवासी वर्षभर करते हैं, उसको नजर न लगे, सभी का स्वास्थ्य उत्तम रहे, पूरे वर्ष में आने वाले सुख-दुख सभी मिलकर झेल सकें, ऐसी कामना ईश्वर से करते हुए नए वर्ष और नए संवत्सर के स्वागत का प्रतीक है गुड़ी पड़वा। हर मराठी भाषी के घर में विजय पताका के रूप में गुड़ी लगाई जाती है। महिलाएं रंगोली से आंगन तथा गुड़ी लगाने के स्थान को सजाती हैं।

करूणामयी जगजननी जगदंबा

आदौ गणपति नत्वा, नत्वा शिवं जगद्गुरूम्।
शर्मा नत्वा, भजे त्रिपुरसुन्दरीम्।।

यह सारा विश्व आदि शक्ति जगजननी से ओतप्रोत है। इस तथ्य को आधुनिक भौतिकी 'वेब थ्योरी' द्वारा सिद्ध करती है। अत: विश्व का जड़ चेतन नाम रूपात्मक समस्त पदार्थ जगजननी जगदंबा के सौंदर्य से ओतप्रोत है। शक्ति से स्पंदित हो कर ही शक्तिमान ईश्वर सृष्टि की रचना करते हैं। मां भगवती की स्तुति मनन का एक साधन है, जिससे तत्वदर्शन और तत्वदर्शन से अपरोक्ष ज्ञान होता है। ज्ञान से मोक्ष प्राप्ति का प्रयोजन ही दृष्टव्य है।

पुरातत्व संबंधी मूर्तियों एवं सामान्य चित्रों के अवलोकन से विदित है कि देवता दो प्रकार से अनुग्रह करते हैं। 1- अभयदान, 2- वर प्रदान कर, इन दोनों प्रकार के अनुग्रह को हस्ताभिनय से ही प्रगट किया जाता है। भगवती तो समस्त लोकों की नियंता हैं। अत: भक्त में शरणागति का भाव उदय होता है और उसकी कामना पूर्ण होती है। भगवती चारों हाथों में इक्षुधनु, 5 बाण, अंकुश एवं पाश धारण किए हैं। अत: जगजननी जगदंबा अभय प्रदान हेतु हाथों का प्रयोग नहीं करती। उनके दोनों चरण ही रक्षा करने में निपुण हैं। शास्त्रों में भगवती को अग्निरूपा मानकर यज्ञादि का विधान है। इसी हेतु घोर वनों में हिंसक पशुओं से सुरक्षा हेतु अग्नि का प्रज्वलन किया जाता है। अंधकार में दीपक जलाने से भय से मुक्ति मिलती है।

आदिशक्ति मां जगजननी की शरण को प्राप्त हुए मनुष्य का कभी अमंगल नहीं होता। जो भक्तिपूर्वक मां जगदंबा का स्मरण करते हैं, उनका निश्चय ही अ युदय होता है। भगवान विष्णु की योगनिद्रा रूपा जो भगवती महामाया है, उन्हीं से यह जगत मोहित हो रहा है। मां दुर्गा के मुज्य रूप से तीन स्वरूप मां महाकाली, मां महालक्ष्मी तथा मां महासरस्वती माने गए हैं। जिनकी स्तुति दुर्गा सप्तशती प्रथम अध्याय के प्रथम चरित्र में मां महाकाली जी की, द्वितीय अध्याय मध्यम चरित्र में मां महालक्ष्मी की, पांचवे अध्याय में मां सरस्वती जी की स्तुति उद्धार चरित्र में की गई है। जगजननी इतनी करुणामयी सरकार है, जो बिना मांगे भ—तों पर कृपा-भक्ति बिज़ेरती चली जाती है। अत: भक्तों को निर्मल मन व सच्चे हृदय से भक्ति करनी चाहिए, तभी मां अभीष्ट फल देती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ईरान के नातान्ज परमाणु संयंत्र में पैदा हुई बिजली संबंधी समस्या, कोई हताहत नहीं

तेहरान। ईरान के नातान्ज परमाणु संयंत्र के विद्युत वितरण ग्रिड में रविवार को कोई समस्या पैदा हो गई। यह समस्या यूरेनियम का अपेक्षाकृत अधिक तेजी से संवर्धन करने वाली नई उन्नत अपकेंद्रण सुविधा शुरू किए जाने के कुछ ही घंटों बाद पैदा हुई। विश्व की शक्तियों के साथ परमाणु समझौते को लेकर चल रही वार्ता के बीच ईरान के सबसे सुरक्षित स्थलों में से एक माने जाने वाले इस संयंत्र में यह ताजा 'घटना' हुई है। देश के सरकारी टीवी चैनल ने देश के असैन्य परमाणु कार्यक्रम के प्रवक्ता बेहरोज कमलवांदी के हवाले से यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि इस 'घटना' में कोई हताहत नहीं हुआ है और न ही कोई प्रदूषण फैला है।' सरकारी टीवी चैनल ने कमलवांदी के हवाले से फारसी में जिस शब्द का इस्तेमाल किया, उसे 'दुर्घटना' और 'घटना' दोनों संदर्भ में इस्तेमाल किया जाता है। चैनल ने इस बारे में तत्काल कुछ स्पष्ट नहीं किया है। ईरान के असैन्य परमाणु कार्यक्रम की शाखा परमाणु ऊर्जा संगठन ने अपनी वेबसाइट पर इस घटना के बारे में अभी कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि नातान्ज के उन्नत अपकेंद्रण संयंत्र में पिछले साल जुलाई में एक रहस्यमयी विस्फोट हुआ था। ईरानी परमाणु संयंत्र पर हमला करने को लेकर ईरान का क्षेत्रीय शत्रु इजराइल संदेह के घेरे में रहा है।

म्यांमा में सुरक्षाबलों ने एक दिन में तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले 82 लोगों की हत्या की

यांगून। म्यांमा में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को सैन्य तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले कम से कम 82 लोकतंत्र समर्थकों को मार डाला। मारे गए प्रदर्शनकारियों की संख्या पर नजर रखने वाले एक संगठन और स्थानीय मीडिया की खबरों में यह दावा किया गया है। बागो शहर में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में शुक्रवार को 82 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गयी। इससे पहले 14 मार्च को यांगून में 100 से ज्यादा लोग मारे गए थे। यांगून से बागो करीब 100 किलोमीटर दूर है। 'एसोसिएडेट प्रेस' स्वतंत्र रूप से मौत के इन आंकड़ों की पुष्टि करने में असमर्थ है। 'असिस्टेंस असोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स' द्वारा संकलित शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक मरने वालों की संख्या 82 है। यह संगठन मरने वालों और गिरफ्तार लोगों की दैनिक संख्या जारी करता है। ये आंकड़े काफी व्यापक रूप से विश्वसनीय माने जाते हैं क्योंकि मौत के नए मामलों को तब तक शामिल नहीं किया जाता जब तक उनकी पुष्टि नहीं हो जाती और उनका विवरण वेबसाइट पर नहीं दे दिया जाता। संगठन ने शनिवार की रिपोर्ट में कहा कि उसे बागो में मरने वालों की संख्या के और बढ़ने की आशंका है क्योंकि और मामलों का सत्यापन किया जाना बाकी है। ऑनलाइन समाचार वेबसाइट म्यांमा नाऊ ने भी 82 लोगों के मारे जाने की खबर दी है।

प्रिंस फिलिप के अंतिम संस्कार में नहीं शामिल होंगी मेगन मर्केल

नई दिल्ली। 9 अप्रैल को ड्यूक ऑफ एडिनबरा के प्रिंस फिलिप का निधन हो गया और अगले हफ्ते 17 अप्रैल को उनका अंतिम संस्कार होगा। उनके अंतिम संस्कार को लेकर कुछ ऐसी रिपोर्ट्स आ रही हैं जिनमें दावा किया जा रहा है कि मेघन मार्केल प्रिंस फिलिप के अंतिम संस्कार में शिरकत नहीं करने वाली है। यूके के सरकारी दिशानिर्देशों ने शोकसभाओं में केवल 30 लोगों को आने की अनुमति है और अंतिम संस्कार के लिए बनाई गई अतिथि सूची से पता चला है कि इसमें प्रिंस हैरी भाग लेंगे। लेकिन मेघन इसका हिस्सा नहीं बन पाएंगी। पैलेस के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि प्रिंस हैरी शोक सभा में शामिल होंगे लेकिन उनकी पत्नी दूसरे बच्चे के साथ गर्भवति हैं इसलिए डॉक्टरों ने उन्हें यात्रा न करने की सलाह दी है। पिछले महीने एंकर ओप्रा विन्फ्रे को दिए साक्षात्कार में हैरी और पत्नी मर्केल ने पिछले साल दंपति के शाही परिवार से अलग होकर अमेरिका आकर बसने से पहले शाही परिवार के भीतर सहयोग की कमी को लेकर गंभीर जिंता जताई थी। इस साक्षात्कार के बाद शाही परिवार में अनबन की अटकलें तेज हो गई थीं। इस इंटरव्यू में मेगन ने यह भी बताया था कि परिवार नें उनके बेटे के रंग को लेकर बातें हुआ करती थीं। प्रिंस फिलिप का 99 साल की उम्र में शुक्रवार को विंडसर कैसल में निधन हो गया था। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन भी कोविड के प्रतिबंध के कारण अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होंगे।

पहली महिला और पहले अश्वेत शख्स को चांद पर उतारेगा नासा, आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत तैयारी

नई दिल्ली। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने आर्टेमिस नामक एक अंतरराष्ट्रीय स्पेसफ्लाइट कार्यक्रम के तहत जल्द ही रंगीन व्यक्ति (अश्वेत) को पहली बार चांद पर उतारने का फैसला किया है। इसके तहत बड़ा कदम उठाते हुए, बिडेन-हैरिस प्रशासन पहले महिला और फिर पुरुष को चांद की सतह पर उतारेगा शुक्रवार को प्रशासन ने कांग्रेस के लिए 2022 के विवेकाधीन खर्च के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन की प्राथमिकताओं को प्रस्तुत किया। इस दौरान नासा के प्रशासक स्टीव जुर्स्की ने कहा, 'यह लक्ष्य सभी के लिए इक्विटी के विचार को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति बिडेन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।'

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खलीदा जिया कोरोना संक्रमित, मैक्सिको में 22 सौ लोगों की मौत, जानें बाकी मुल्कों का हाल

ढाका। (एजेंसी)।

भारत समेत दुनिया के तमाम मुल्कों में कोरोना संक्रमण से रोजाना सैकड़ों मौतें हो रही हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गईं। कोरोना महामारी के चलते एक साल पहले उन्हें जेल से अस्थाई तौर पर रिहा किया गया था। वहीं पिछले चौबीस घंटों के दौरान मैक्सिको में 2,192 लोगों की कोरोना वायरस से मौत हुई है। यही नहीं चौबीस घंटों के दौरान ईरान में भी 258 लोगों की मौत हुई है।

खालिदा जिया कोरोना संक्रमित

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएमपी) की प्रमुख खालिदा जिया के नमूने शनिवार को जांच के लिए भेजे गए थे। बांग्लादेश के स्वास्थ्य मंत्रालय के जन संपर्क अधिकारी मैदुल इस्लाम प्रधान ने बताया कि रविवार को खालिदा जिया की जांच रिपोर्ट आई जिसमें संक्रमण की पुष्टि हुई।

ब्राजील में 2,616 लोगों की मौत

ब्राजील में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण से 2,616 लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही देश में कोरोना महामारी से मरने वालों की संख्या 351,334 हो गई है। ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 71,832 नए मामले सामने आए जिसके साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा 13,445,006 हो गया है।

2,192 लोगों की गई जान

वहीं मैक्सिको में बीते 24 घंटों के दौरान 2,192 लोगों की कोरोना संक्रमण से मौत हुई है। यह पहली बार है जब एक दिन में इतनी बड़ी संख्या में महामारी से मौत हुई है। मैक्सिको में बीमारी से जान गंवाने वालों की तादाद लगभग दो लाख 10 हजार हो गई है। अमेरिका, ब्राजील और रूस के बाद सर्वाधिक मौतें मैक्सिकों में हुई हैं।

ईरान में एक दिन में 258 लोगों की मौत

वहीं ईरान में बीते 24 घंटे में 258 लोगों की कोरोना संक्रमण से मौत हो गई है। इसके साथ ही देश में कोरोना महामारी से मरने वालों का आंकड़ा 64,490 हो गया है। ईरान में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 21,063 नए मामले सामने आए जिसके साथ ही देश में संक्रमितों का आंकड़ा 2,070,141 हो गया है।

अमेरिका में संक्रमितों आंकड़ा तीन करोड़ 11 लाख के पार

अमेरिका में कोरोना संक्रमितों आंकड़ा तीन करोड़ 11 लाख को पार कर गया है जबकि अब तक पांच लाख 61 हजार से ज्यादा मरीजों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 43.82 लाख को पार कर गया है जबकि 1,27,324 लोगों की जान जा चुकी है।

चीन के वैक्सीन फ्राड की खुली पोल

चीन की कोरोना वैक्सीन कितनी असरदार है, इसको लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। अब चीन के अधिकारी ही उसके वैक्सीन फ्रॉड की पोल खोल रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन के एक शीर्ष रोग नियंत्रण अधिकारी ने कहा है कि देश में विकसित किए गए कोरोना टीके कम असरदार हैं। अधिकारी ने यह भी कहा है कि चीन की शी चिनफिंग सरकार इन टीकों को असरदार बनाने पर विचार कर रही है।

चंदा एकत्र करने के कार्यक्रम में रिपब्लिकन पार्टी को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराएंगे डोनाल्ड ट्रंप

पाम बीच। (एजेंसी)।

नया राजनीतिक दल बनाने का संकेत दे चुके अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यहां रिपब्लिकन पार्टी के लिए चंदा एकत्र करने के कार्यक्रम में जीओपी (ग्रैंड ओल्ड पार्टी) को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराएंगे। रिपब्लिकन पार्टी को जीओपी भी कहा जाता है। 'द एसोसिएटिड प्रेस' को मिले ट्रंप के तैयार भाषण के अनुसार ट्रंप यहां फ्लोरिडा के मार-ओ-लागो रिसॉर्ट में बंद कमरे में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में रिपब्लिकन पार्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे।

ट्रंप ऐसे समय में यह संदेश देंगे, जब रिपब्लिकन अधिकारी पार्टी की राजनीति में ट्रंप के जारी नेतृत्व, पार्टी के लिए चंदा एकत्र करने की उनकी प्रतिबद्धता और 2024 के लिए उनकी योजनाओं को लेकर जीओपी के भीतर जारी कलह को ज्यादा तवज्जो नहीं देने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप के तैयार भाषण में लिखा हैं, ''हम यहां रिपब्लिकन पार्टी के भविष्य पर बात करने के लिए आज रात एकत्र हुए हैं। हम इस बात पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं कि हमें हमारे उम्मीदवारों को जीत की राह पर अग्रसर करने के लिए क्या करना चाहिए।''

उनके भाषण में लिखा है, ''मुझे इस बात का पूरा भरोसा है कि 2022 में हम प्रतिनिधि सभा में जीत हासिल करेंगे और सीनेट पर फिर पर दबदबा बनाएंगे तथा इसके बाद 2024 में कोई रिपब्लिकन उम्मीदवार ही व्हाइट हाउस जीतेगा।'' इस कार्यक्रम के बावजूद पार्टी को लेकर ट्रंप की प्रतिबद्धता के बारे में निश्चित रूप से कुछ नहीं कहा जा सकता। उन्होंने साल की शुरुआत में नया राजनीतिक दल बनाने की संभावना जताई थी और करीब एक महीने पहले उनकी राजनीतिक कार्य समिति ने 'रिपब्लिनक नेशनल कमेटी' एवं अन्य को पत्र लिखकर कहा था कि वे चंदा एकत्र करने के लिए ट्रंप के नाम या तस्वीरों का इस्तेमाल नहीं करें।

टीकाकरण की रफ्तार तेज करने के लिए संघर्ष कर रहा पाकिस्तान, प्रतिबंधों को भी बढ़ाने दिया जोर

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तानी अधिकारी कोविड रोधी टीकाकरण को तेज करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों पर काबू करने के लिए प्रतिबंधों को बढ़ा रहे हैं। पाकिस्तान में रविवार को कोरोना वायरस के 5,050 नए मामले सामने हुए जिसके बाद मुल्क में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 7,21,018 पहुंच गए हैं। वहीं मृतक संख्या बढ़कर 15,443 हो गई।

'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, कोविड-19 से निपटने वाली देश की शीर्ष संस्था राष्ट्रीय कमान एवं संचालन केंद्र (एनसीओसी) ने शनिवार को एक बैठक में संक्रमण के प्रसार को धीमा करने के लिए सोमवार तक बाजारों को बंद करने और परिवहन पर पाबंदी बढ़ाने का फैसला किया है। एनसीओसी में रमज़ान के आगामी महीने के दौरान टीकाकरण अभियान को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में शिरकत करने वालों को बताया गया कि अप्रैल के दूसरे सप्ताह के बाद देश में पर्याप्त मात्रा में टीके पहुंच सकते है। एनसीओसी ने फैसला किया कि रमज़ान के दौरान भी टीकाकरण केंद्र खुले रहेंगे।

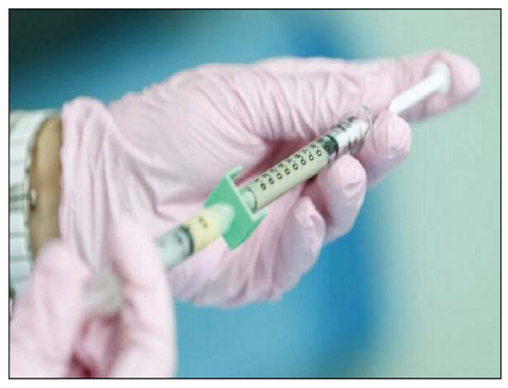

राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न छापने के आग्रह पर 'डॉन' को बताया कि पाकिस्तान को अप्रैल के एक पखवाड़े के बाद चीन के कैनसाइनो बायो टीके की 30 लाख खुराकें मिलेंगी। उन्होंने बताया, 'रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव की यात्रा के दौरान इस हफ्ते रूस के टीके की (खरीद को लेकर) भी चर्चा की गई।' सभी को कोविड रोधी टीके के समान वितरण को लेकर शुरू की गई अंतरराष्ट्रीय पहल 'कोविड वैक्सीन ग्लोबल एक्सेस' (कोवैक्स) से पाकिस्तान को मार्च के अंत तक एस्ट्राजेनेका टीके की करीब 17 लाख खुराकें मिलनी थीं लेकिन कोवैक्स ने सरकार को बाद में बताया कि ये खुराकें 30 जून तक दी जाएंगी।

करोड़ों लोगों को टीका दिए जाने के बाद खुली चीन की आंखें? अब कोरोना वैक्सीन का असर बढ़ाने के लिए खोजा यह आइडिया

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन में बने बाकी उत्पादों की तरह उसकी बनाई कोरोना वैक्सीन भी गुणवत्ता के मामले में फिसड्डी साबित हो रही है। हालांकि, अपनी वैक्सीन के असर को बढ़ाने के लिए अब चीन ने एक नया आइडिया खोजा है। दरअसल, चीन कोरोना की अलग-अलग वैक्सीन के इस्तेमाल पर विचार कर रहा है, ताकि इसका असर बढ़ाया जा सके। चीनी मीडिया आउटलेट %द पेपर% ने सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन के चीफ गाओ फु के हवाले से लिखा कि मौजूदा वैक्सीन उतनी असरदार नहीं है इसलिए प्रशासन को अब इस समस्या को सुलझाने के लिए सोचना चाहिए। बता दें कि यह पहली बार है जब किसी चीनी अधिकारी ने सार्वजनिक तौर पर देश की वैक्सीन के कम असरदार होने पर कुछ कहा है। चीन ने इसी वैक्सीन के सहारे न सिर्फ अपने देश में टीकाकरण अभियान शुरू किया है बल्कि वह दुनियाभर में अपने टीके निर्यात करना भी शुरू कर चुका है। चीन ने बीते साल टीकाकरण शुरू किया था और अभी तक 16.1 करोड़ खुराकें दी जा चुकी हैं। चीन का लक्ष्य इस साल जून तक अपनी 140 करोड़ आबादी के 40 प्रतिशत लोगों को कोरोना टीका देने का है। शनिवार को चेंगदु में एक कॉन्फ्रेंस के दौरान गाओ ने कहा कि वैक्सीन के कम असर की समस्या से निपटने का एक विकल्प यह भी है कि अलग-अलग तकनीकों वाले टीकों का इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने कहा कि चीन के बाहर भी एक्सपर्ट्स इस विकल्प को लेकर अध्ययन कर रहे हैं। बता दें कि चीन में अभी चार वैक्सीन को सशर्त मंजूरी मिली है। हालांकि, इन चारों की क्षमता इसके प्रतिद्वंद्वी फाइजर-बायोनेटेक और मॉडर्ना की वैक्सीन से कम हैं।

अंतरिक्ष से हर साल धरती पर गिर रही 5000 टन धूल, 20 साल की स्डटी के बाद हुआ यह

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

फ्रेंच पोलर इंस्टीट्यूट के सहयोग से यूनिवर्सिटी ऑफ पेरिस-सैकेल और प्राकृतिक इतिहास के राष्ट्रीय संग्रहालय के वैज्ञानिकों ने करीब 20 वर्षों तक किए गए एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के जरिए किया निर्धारित है कि हर साल धूमकेतु और क्षुद्रग्रहों से हमारे ग्रह पृथ्वी पर धूल आती है। इस तरह करीब पांच हजार दो सौ टन धूल पृथ्वी पर आती है।

इस शोध में पता चला है कि ये इंटरप्लेनेटरी डस्ट पार्टिकल्स हमारे वायुमंडल से होकर गुजरते हैं और शूटिंग स्टार्स को जन्म देते हैं। हमारे ग्रह पर हमेशा माइक्रोमीटराइट्स गिरते रहे हैं। धूमकेतु अथवा क्षुद्रग्रहों के यह अंतर्वैयक्तिक धूल कण कुछ दसवें हिस्से से लेकर मिलीमीटर के सौवें हिस्से तक के होते हैं, जो वायुमंडल से होकर पृथ्वी की सतह पर पहुंच जाते हैं।

शोधकर्ताओं ने दो दशकों तक किया अध्ययन : माइक्रोलेरोसाइट्स को इकट्ठा करने और उनका विश्लेषण करने के लिए सीएनआरएस के शोधकर्ता जीन डूप्रैट के नेतृत्व में छह अभियान पिछले दो दशकों में फ्रेंको-इटैलियन कॉनकॉर्डिया स्टेशन (डोम सी) के पास हुए हैं, जो एडिले लैंड के तट से 1,100 किलोमीटर दूर स्थित है। इसमें पता चला कि बर्फ के कम संचय दर और स्थलीय धूल की अनुपस्थिति के कारण डोम सी एक आदर्श संग्रह स्थान है। इन परिणामों को पूरे ग्रह पर लागू किया जाता है, तो माइक्रोइमोराइट्स का कुल वार्षिक प्रवाह प्रति वर्ष 5,200 टन होगा।

इस तरह की गई गणना

जर्नल अर्थ एंड प्लेनेटरी साइंस लेटर्स में प्रकाशित शोध में कहा गया है कि धरती पर हमेशा से ही सूक्ष्म उल्कापिंड गिरते रहे हैं। शोधकर्ताओं ने पर्याप्त मात्रा में अंतरिक्ष से गिरे कणों को एकत्र किया है, जिनका आकार 30 से 200 माइक्रोमीटर के बीच है। हर साल अंतरिक्षीय धूल, पृथ्वी पर प्रति वर्ग मीटर गिरने वाले एक्सट्रैटेस्ट्रियल कणों से मेल खाती है। शोधकर्ताओं के अनुसार यह जानकारी हमें यह जानने में मदद कर सकती है कि किस तरह इस अंतरिक्षीय धूल ने पृथ्वी पर उसके शुरुवाती समय में पानी और कार्बन के अणुओं को पहुंचाया था।

ब्राजील में बन रहा ईसा मसीह का दुनिया का सबसे बड़ा स्टेच्यू

नई दिल्ली। ब्राजील में ईसा मसीह का दुनिया का सबसे बड़ा स्टेच्यू का निर्माण किया जा रहा है। रियो ग्रांडे डो सुल राज्य के एनकांटाडो में 2019 में शुरू हुए इस स्टेच्यू की ऊचाई लगभग 141 फीट (लगभग 43 मीटर) है। एक बार इस स्टेच्यू के बनकर तैयार होने के बाद यह रियो डी जनेरिया में रियो डी जनेरिया क्राइस्ट द रिडीमर स्टेच्यू को पीछे छोड़ देगा जिसकी ऊचाई 38 मीटर है।

वहीं, एक हाथ से दूसरे हाथ के छोर की लंबाई लगभग 118 फीट है। स्टेच्यू के सीने में एक ग्लास की खिड़की दी जाएगी जिससे कि बाहर के नजारे को देखा जा सकता है। इसमें एक स्टील के फ्रेम का इस्तेमाल किया जा रहा है जिसमें 17,600 क्यूबिक फीट से अधिक कंक्रीट भी उपयोग किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्टेच्यू के सिर का वजन लगभग 40 जन होगा, जिसे बनाने में लगभग तीन महीने लगेंगे। इस स्टेच्यू का डिजाइन वहां के ही एक स्थानीय पुजारी द्वारा तैयार किया गया है। इस स्टैच्यू के निर्माण इस साल के अंत तक किया जाना है। इस सप्ताह स्टेच्यू में सर और दोनों बाहें जोड़ी गई हैं। स्टेच्यू में एक लिफ्ट भी लगाई जाएगी। वहीं, स्टेच्यू के टॉप पर ऑब्जर्वेशन डेक होगा।

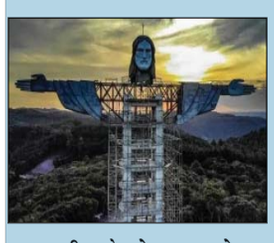

भूकंप से हिला इंडोनेशिया, एक व्यक्ति की मौत; सुनामी की चेतावनी नहीं

मलंग (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में आये भूकंप में एक व्यक्ति की मौत हो गई और इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं जबकि इसके झटके पर्यटक केंद्र बाली में भी महसूस किये गये। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। हालांकि सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने बताया कि स्थानीय समयानुसार अपराह्न दो बजे आये भूकंप की तीव्रता 6.0 मापी गई। इसका केंद्र पूर्वी जावा प्रांत के मलंग जिले के सुम्बरपुकंग शहर से 45 किलोमीटर दक्षिण में 82 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इंडोनेशिया के भूकंप एवं सुनामी केंद्र के प्रमुख रहमत त्रियोनो ने एक बयान में बताया कि भूकंप का केंद्र समुद्र के भीतर स्थित था, लेकिन भूकंप के झटके में सुनामी उत्पन्न करने की क्षमता नहीं थी। उन्होंने इसके बावजूद लोगों से मिट्टी या चट्टानों के ऐसे ढलानों से दूर रहने का आग्रह किया जहां भूस्खलन का खतरा हो।

पूर्वी जावा के लुमाजैंग जिले में चट्टानों के गिरने से मोटरसाइकिल सवार एक महिला की मौत हो गई और उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। उप जिला प्रमुख इंदा अम्परवती ने 'मेट्रो टीवी' को यह जानकारी दी। जिले में कई घर भी क्षतिग्रस्त हो गए। टेलीविजन की खबरों में पूर्वी जावा प्रांत के कई शहरों में मॉल और इमारतों से लोगों को दहशत में भागते हुए दिखाया गया। इंडोनेशिया की खोज एवं बचाव एजेंसी ने मलंग के पड़ोसी शहर ब्लीतर स्थित एक अस्पताल की क्षतिग्रस्त छत सहित क्षतिग्रस्त कुछ घरों एवं इमारतों के वीडियो एवं तस्वीरें जारी की। प्राधिकारी प्रभावित क्षेत्रों से हताहत हुए लोगों और क्षति की पूरी जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। इंडोनेशिया अक्सर भूकंप के झटकों, ज्वालामुखी विस्फोट और सुनामी से प्रभावित होता है। गत जनवरी में पश्चिम सुलावेसी प्रांत स्थित मामुजू और माजिनी जिलों में आये 6.2 तीव्रता के भूकंप में कम से कम 105 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 6,500 अन्य लोग घायल हो गए थे। वहीं इसके चलते 92,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए थे।

अपनी अकड़ से बाज नहीं आ रहा चीन, कहा- मौजूदा सकारात्मक माहौल का लाभ उठाए भारत

बीजिंग (एजेंसी)।

पूर्वी लद्दाख के शेष इलाकों से सैनिकों की वापसी को लेकर चीन-भारत के बीच हुई नए दौर की वार्ता में सफलता नहीं मिलने के बाद चीन की सेना ने कहा है कि भारत को सीमा पर तनाव कम करने के मौजूदा सकारात्मक माहौल का लाभ उठाना चाहिए।

दोनों देशों के बीच 13 घंटे तक चली 11वें दौर की सैन्य वार्ता के एक दिन बाद शनिवार को भारतीय सेना ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने पूर्वी लद्दाख में हॉट स्प्रिंग, गोगरा और डेपसांग में गतिरोध वाले शेष हिस्सों से सैनिकों की वापसी को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने जमीन पर शांति बनाए रखने, किसी भी नए टकराव से बचने और शेष मुद्दों का हल तीव्र गति से निकालने पर सहमति व्यक्त की।

दोनों देशों के बीच हुई इस सैन्य वार्ता में नहीं दिखाई दी कोई ठोस प्रगति

इस मामले से जुड़े व्यक्तियों ने शनिवार को नई दिल्ली में कहा कि दोनों देशों के बीच हुई इस सैन्य वार्ता में कोई ठोस प्रगति दिखाई नहीं दी। चीन का प्रतिनिधिमंडल पहले से तय सोच के साथ वार्ता में शामिल हुआ और संघर्ष वाले शेष क्षेत्रों में सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया पर आगे बढ़ने की दिशा में कोई लचीलापन नहीं दिखाया।

भारत को सीमा पर तनाव कम करने की दिशा में बढ़ना चाहिए आगे: चीन

चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने दोनों देशों की सेनाओं के बीच नौ अप्रैल को हुई वार्ता को लेकर जारी एक विज्ञप्ति में फरवरी में पैंगोंग झील के अधिकतर विवादित इलाकों से सैनिकों की वापसी की ओर इशारा करते हुए कहा कि भारत को सीमा पर तनाव कम करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हुई वार्ता को लेकर पीएलए के एक प्रवक्ता द्वारा जारी विज्ञप्ति का हवाला देते हुए चाइना ग्लोबल टेलीविजन नेटवर्क ने कहा कि दोनों पक्षों को पिछली वार्ताओं में बनी सहमति पर आगे बढना चाहिए।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरकार को सीबीएसई परीक्षा आयोजित करने के बारे में पुनर्विचार करना चाहिए - राहुल गांधी

नई दिल्ली। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार से सीबीएसई बोर्ड परीक्षा आयोजित करने पर पुनर्विचार करने के लिए कहा है और निर्णय लेने से पहले सभी हितधारकों से परामर्श करने की सलाह दी। राहुल गांधी ने एक ट्वीट में कहा, विनाशकारी कोरोना के दूसरी लहर के तत्वाधान में, सीबीएसई परीक्षा आयोजित करने पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। सभी हितधारकों को व्यापक निर्णय लेने से पहले सलाह लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, भारत के युवाओं के भविष्य के साथ भारत सरकार कितना खेलेगी। इससे पहले दिन में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को पत्र लिखकर सीबीएसई परीक्षा नहीं करवाने का आग्रह किया था।

दिल्ली में केंद्र सरकार के 4 सरकारी और 44 निजी अस्पतालों में वेंटीलेटर बेडों की संख्या शून्य हुई

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार बढ़ते कोरोना मामलों के बीच रविवार शाम 5 बजे तक दिल्ली सरकार के 3 बड़े, केंद्र सरकार के 4 और 44 निजी अस्पतालों में वेंटीलेटर बेडों की संख्या शून्य हो गई है। इन अस्पतालों में राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, एम्स ट्रामा, बुराड़ी अस्पताल, बेस हॉस्पिटल दिल्ली केंट, दीप चंद बंधु अस्पताल, उत्तरी रेलवे अस्पताल और एम्स झज्जर शामिल हैं। वहीं दिल्ली के 44 प्राइवेट अस्पतालों में वेंटीलेटर की संख्या शून्य है। दिल्ली में 11 अप्रैल शाम 5:00 बजे तक कोरोना ऐप के मुताबिक सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों का हाल यह है कि कोरोना मरीज़ों के लिए सामान्य बेडों की कुल संख्या 11,727 है और 5363 बेड खाली हैं। यानी कुल उपलब्ध बेडों में से 54.36% बेड पर मरीज़ भर्ती हैं। कोरोना मरीज़ों के लिए कुल 1153 वेंटीलेटर बेड उपलब्ध हैं और इनमें से 307 बेड ही खाली हैं। यानी कुल उपलब्ध बेड में से 73.37% वेंटीलेटर पर मरीज़ भर्ती हैं। कोरोना मरीज़ों के लिए कुल 1852 आईसीयू बेड उपलब्ध हैं और इनमें से 511 आईसीयू बेड ही खाली हैं। यानी कुल उपलब्ध बेड में से 72.4% आईसीयू बेडों पर मरीज़ भर्ती हैं।

इंजेक्शन रेमडीसीविर और रेमडीसीविर एक्टिव फ़ार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स के निर्यात पर रोक

नई दिल्ली। भारत सरकार ने कोरोना में कारगर इंजेक्शन रेमडीसीविर और रेमडीसीविर एक्टिव फ़ार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स के एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मरीजों और अस्पतालों के लिए रेमडीसीविर की आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए केंद्र ने यह कदम उठाया है। देश भर में इस दवा की कमी के कारण कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज में विलंब हो रहा है। केंद्र सरकार के मुताबिक कोरोना के केसों में अचानक बढ़ोतरी के चलते रेमडीसीविर इंजेक्शन की जरूरत बढ़ गई है और आगे भी इसकी जरूरत कोरोना के मरीजों के लिए पड़ेगी जिसकी वजह से इसके निर्यात पर रोक लगाई गई है। सात भारतीय कम्पनियां रेमडीसीविर इंजेक्शन का उत्पादन करती हैं। इन कंपनियों की हर महीने 38.80 लाख यूनिटों की उत्पादन क्षमता है। सभी घरेलू मैन्युफैक्चरर्स को सलाह दी गई है कि वे अपनी वेबसाइटों पर रेमडीसीविर इंजेक्शन के स्टॉक, इसके डिस्ट्रीब्यूशन आदि की जानकारी डिस्प्ले करें।

दिल्ली कोरोना संक्रमण के 10,774 नए मरीज सामने आए

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 10774 नए मरीज सामने आए जो अब तक का रिकार्ड है। वहीं इस दौरान 48 मरीजों की मौत भी हो गई जो कि 14 दिसंबर के बाद सबसे ज्यादा है। 14 दिसंबर को 1 दिन में 60 मरीजों की मौत हुई थी। दिल्ली का पिछला सबसे बड़ा रिकॉर्ड 11 नवंबर का था जब एक दिन में 8593 नए संक्रमण के मामले रिपोर्ट हुए थे। रविवार को समाप्त 24 घंटों में 1,14,000 से ज्यादा टेस्ट हुए जो कि अब तक के सबसे ज़्यादा हैं। एक्टिव मामलों की संख्या 29 नवंबर के बाद अब सबसे ज़्यादा है। रिकवरी रेट 93.70% है और एक्टिव मरीज़ 4.73% हैं। डेथ रेट 1.56% है और पॉजिटिविटी रेट 9.43% है। रविवार को समाप्त 24 घंटों में नए मामले 10,774 आए और इसके साथ अब तक के कुल मामले 7,25,197 हो गए। इन 24 घंटों में 5158 मरीज ठीक हुए। अब तक कुल 6,79,573 मरीज ठीक हो चुके हैं। इन 24 घंटों में 48 मरीजों की मौत हो गई। अब तक कुल 11,283 मौतें हुई हैं। एक्टिव मामले 34,341 हैं। इन 24 घंटों में 1,14,288 टेस्ट हुए। अब तक कुल 1,55,58,243 टेस्ट हुए हैं।

महाराष्ट्र में लॉकडाउन की आहट, रेलवे स्टेशनों पर जुटे प्रवासी कामगार

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए एक बार फिर से लॉकडाउन लगने की चर्चा चल रही है. ऐसे में बड़ी संख्या में प्रवासी कामगार अपने घरों की ओर लौटने के लिए रेलवे स्टेशनों पर पहुंच रहे हैं. रविवार को मुंबई के कुर्ला स्टेशन पर ऐसी ही भीड़ देखने को मिली जहां प्रवासी कामगार घर वापस लौटने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे हैं. हालांकि नियम के मुताबिक सिर्फ कन्फर्म टिकट वाले यात्रियों को ही यात्रा करने की अनुमति है. स्टेशन परिसर में लोगों की जबरदस्त भीड़ और लंबी कतारें दिख रही हैं. वहीं राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) और आरपीएफ लगातार भीड़ को कंट्रोल करने की कोशिश में जुटी हुई हैं. ज्ञात हो कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य में कोरोना की चिंताजनक स्थिति के मद्देनजर सख्त लॉकडाउन लगाने के संकेत दिये हैं. महाराष्ट्र सरकार किसी भी वक्त लॉकडाउन को लेकर फैसला करेगी. राज्य में शनिवार को हुई सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री ने बिगड़ती स्थिति को देखते हुए लॉकडाउन लगाने को लेकर चर्चा की थी. महाराष्ट्र में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 55,411 नये मामले सामने आये हैं और राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या 33,43,951 पहुंच गयी वहीं संक्रमण से एक दिन में 309 लोगों की मौत होने से कुल मृतक संख्या 57,638 हो गयी है.

प्रवासी मजदूरों का हर डेटा होगा सरकार के पास, 7 महीने में पूरे होंगे 5 सर्वे : लेबर ब्यूरो महानिदेशक

नई दिल्ली।

मोदी सरकार देश में पहली बार पांच तरह का ऐसा सर्वे करा रही है, जिसके बाद देश में प्रवासी मजदूरों से लेकर घरों में काम करने वाले कामगारों के सटीक आंकड़े भी पता चलेंगे। इतना ही नहीं, देश में प्रोफेशनल, कितनी नौकरियां अपने दम पर पैदा कर रहे हैं, ट्रांसपोर्ट सेक्टर कितनी लोगों की रोजी-रोटी चला रहा है, इसकी भी सही तस्वीर देश के सामने आएगी। देश भर में ढाई हजार स्टाफ के साथ इस सर्वे को करने में श्रम एवं रोजगार मंत्रालय का लेबर ब्यूरो युद्ध स्तर पर जुटा है। पहली बार इस सर्वे से देश में सर्वाधिक रोजगार देने वाले अनआर्गनाइज्ड सेक्टर के आंकड़े भी सरकार को मिलेंगे। लेबर ब्यूरो के महानिदेशक(डीजी) और वर्ष 1985 बैच के इंडियन इकोनॉमिक सर्विस के अफसर डीपीएस नेगी ने आईएएनएस से विशेष बातचीत में बताया, पांच तरह के सर्वे पूरा होने के बाद देश में रोजगार की सही तस्वीर पता चलेगी। कोई भी सरकारी पॉलिसी बनाने में आंकड़े चाहिए होते हैं। इन सर्वे से हमारे पास प्रवासी मजदूरों से लेकर घरेलू कामगारों और अनआर्गनाइज्ड सेक्टर में पैदा हो रहे रोजगार के सही आंकड़े मिलेंगे। जिसके बाद केंद्र सरकार को आगे नई रोजगार पॉलिसी बनाने में मदद मिलेगी।श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में एडिशनल सेक्रेटरी रैंक के अफसर डीपीएस नेगी ने आईएएनएस को बताया कि एक अप्रैल से फील्ड सर्वे शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा, अभी हमारा फोकस प्रवासी मजदूरों और दस या दस से अधिक मजदूरों वाले संस्थानों के बारे में पता लगाने के लिए अखिल भारतीय त्रैमासिक सर्वेक्षण पर है। इसके बाद अन्य तीन तरह के सर्वे को फेजवाइज पूरा करेंगे। सभी पांचों तरह के सर्वे अगले सात महीनों यानी नवंबर तक पूरा करने की कोशिश है। सर्वे के साथ आंकड़ों का टेबल बनाने का काम भी होगा। क्या फिर से कोरोना का खतरा शुरू होने पर सर्वे बाधित नहीं होगा? इस सवाल पर लेबर ब्यूरो के महानिदेशक ने कहा, कुछ राज्यों में सिर्फ नाईट कर्फ्यू लगा है। हमारा सर्वे का काम दिन में होता है। ऐसे में फील्ड सर्वे पर प्रभाव पड़ने की आशंका कम है। अगर कोई समस्या आएगी तो फिर देखी जाएगी। फिलहाल सर्वे चल रहा है। खास बात है कि मोदी सरकार इस सर्वे में अंतरराष्ट्रीय स्तर के अर्थशास्त्री और सांख्यिकीविदों की भी मदद ले रही है। डॉ एसपी मुखर्जी और डॉ अमिताभ कुंडू के निर्देशन में एक्सपर्ट कमेटी ने इस पूरे सर्वे की डिजाइन की है। मसलन, सर्वे के सवालों, सैंपल साइज, गाइडलाइंस आदि को यही एक्सपर्ट कमेटी तय करती है। लेबर ब्यूरो के महानिदेशक के मुताबिक, एक्सपर्ट कमेटी की कुल 46 बैठकों के बाद पांच तरह के अखिल भारतीय सर्वे की पूरी रणनीति तैयार हुई।अखिल भारतीय सर्वे के लिए लेबर ब्यूरो की ओर से पिछले 24 से 26 मार्च तक सर्वे करने वाली टीमों को ट्रेनिंग दी गई थी। इससे पहले चंडीगढ़ में भी प्रशिक्षण हो चुका है। अब 12 अप्रैल से पांच दिनों तक सर्वे कार्य में लगे सभी ढाई हजार स्टॉफ की ऑनलाइन ट्रेनिंग भी होने जा रही है। नवंबर में सर्वे पूरा होने के बाद श्रम एवं रोजगार मंत्रालय रिपोर्ट तैयार करेगा। माना जा रहा है कि इसके बाद केंद्र सरकार एक व्यापक रोजगार नीति देश के सामने लेकर आएगी।

ये हैं 5 तरह के सर्वे

- प्रवासी श्रमिकों का अखिल भारतीय सर्वेक्षण,
- घरेलू कामगारों के बारे में अखिल भारतीय सर्वेक्षण,
- पेशेवरों द्वारा सृजित रोजगार का अखिल भारतीय सर्वेक्षण,
- परिवहन के क्षेत्र में सृजित रोजगार का अखिल भारतीय सर्वेक्षण
- अनआर्गनाइज्ड सेक्टर में अखिल भारतीय त्रैमासिक सर्वेक्षण

भाजपा ने तृणमूल नेता पर एससी समुदाय के अपमान का आरोप लगाया, कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को चुनाव आयोग से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता सुजाता मंडल खान पर अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया और उन पर आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। यहां रविवार को केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने ईसीआई से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपा। पार्टी के सांसद दुष्यंत गौतम, हंसराज हंस और सुनीता दुग्गल प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। भाजपा के ज्ञापन में कहा गया है, टीएमसी की सुजाता मंडल खान ने कहा है : भले ही ममता बनर्जी ने गरीब एससी की मदद की हो, फिर भी उनकी कमी कभी कम नहीं होगी। एक कहावत है कि कुछ स्वभाव से भिखारी होते हैं जबकि अन्य परिस्थितियों से भिखारी होते हैं। यहां अनुसूचित जातियां स्वभाव से भिखारी हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि उनका बयान और आचरण न केवल संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, बल्कि आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का भी उल्लंघन है। भाजपा ने कहा कि यह बयान द रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट, 1951 की धारा 125 के तहत भी अपराध है, क्योंकि यह दो समुदायों के बीच नफरत और दुश्मनी पैदा करने का इरादा रखता है। इसलिए आयोग चुनावी कानूनों, भारतीय दंड संहिता, अनुसूचित जाति और जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 और मॉडल के प्रावधानों के अनुसार सुजाता मंडल खान और टीएमसी के नेतृत्व के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करे।

मछली पालन के माध्यम से युवाओं को रोजगार प्रदान करेगी योगी सरकार

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार मछली पालन में युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने की योजना बना रही है।राज्य सरकार इस क्षेत्र में रोजगार की काफी संभावनाएं देखती है और उसका मानना है कि यह ग्रामीण विकास और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।यह आसानी से शुरू होने वाला व्यवसाय कम पूंजी के साथ शुरू किया जा सकता है।सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, मुख्यमंत्री ने मत्स्य पालन विभाग के माध्यम से कई लाभकारी योजनाएं शुरू करने की योजना बनाई है, जो न केवल मत्स्य व्यवसाय को बढ़ावा देगा, बल्कि जरूरतमंदों को रोजगार भी प्रदान करेगा जो उन्हें एक बार फिर आत्मनिर्भर बनने में मदद करेगा।इससे गांव में बंजर पंचायती भूमि पर बने तालाबों से ग्राम पंचायत की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। प्रवक्ता ने कहा, मत्स्य पालन पर प्रशिक्षण देने के साथ-साथ सरकार द्वारा इस व्यवसाय को बड़े पैमाने पर विस्तारित करने का प्रयास किया जा रहा है। अब किसान खेती के साथ-साथ मत्स्य पालन से भी अपनी आय बढ़ा सकते हैं। यह याद किया जा सकता है कि राज्य सरकार ने पहले ही मत्स्य जलाशयों की अवधि 3 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष कर दी है। यही कारण है कि राज्य ने पिछले चार वर्षों के दौरान 26.44 लाख मीट्रिक टन मछली का उत्पादन किया है। चार वर्षों में 1,191.27 करोड़ मत्स्य बीज का उत्पादन किया गया और 5,902 मछली किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए। राज्य सरकार ने आत्मानिर्भर अभियान के तहत प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना को लागू करके किसानों को मुफ्त मछुआ दुर्घटना बीमा योजना का लाभ भी प्रदान किया है। राज्य सरकार ने पिछले चार वर्षों में राज्य में 2,215 मछुआरों, घरों को भी आवंटित किया है। इसके साथ ही, उत्तर प्रदेश के मछुआरों के लिए सुविधाएं अब मछली किसान ऐप के माध्यम से उपलब्ध हैं। राज्य में 57 मछली बीज हैचरी और 385 मछली बीज पालन इकाइयों के निर्माण से किसान सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। हाल ही में, उत्तर प्रदेश को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सर्वश्रेष्ठ अंतर्देशीय मत्स्य राज्य का प्रथम पुरस्कार भी मिला है।

वाराणसी को संस्कृत शहर के रूप में जाना जाएगा

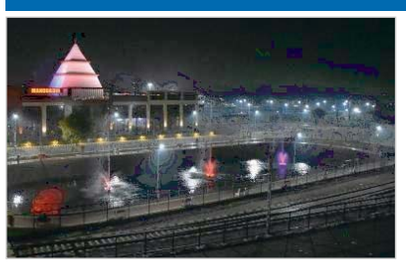

लखनऊ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी को अब दुनिया में संस्कृत शहर के रूप में जाना जाएगा। वाराणसी में संस्कृत विद्यालयों की संख्या सबसे अधिक है और साथ ही संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों की संख्या सबसे अधिक है। वाराणसी में 110 से अधिक संस्कृत विद्यालय कार्यरत हैं। नए सत्र से इस टैली में दो और जोड़े जाएंगे, जबकि योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा राज्य भर में 13 नए संस्कृत विद्यालय खोले जाने वाले हैं। सरकार के प्रवक्ता के अनुसार, योगी आदित्यनाथ सरकार माध्यमिक और बेसिक शिक्षा निदेशालय की तर्ज पर संस्कृत निदेशालय की स्थापना करने जा रही है। निदेशालय के निर्माण के बाद, संस्कृत भाषा को एक नई पहचान मिलेगी। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश में पहली बार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संस्कृत में सरकारी प्रेस नोट जारी करना शुरू किया। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से संस्कृत में ट्वीट भी किया।मुख्यमंत्री की पहल के बाद, संस्कृत बोर्ड ने भी राज्य में संस्कृत भाषा को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देना शुरू कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, राज्य को 13 नए संस्कृत विद्यालय मिलेंगे और ये विद्यालय अपने निर्धारित मानकों को पूरा कर चुके हैं। इनमें से दो काशी में और एक जौनपुर में खोला जाएगा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद द्वारा कुल 1,164 संस्कृत विद्यालय चलाए जा रहे हैं, जिनमें 971 विद्यालय अनुदानित विद्यालय हैं।इन संस्कृत विद्यालयों में 97,000 से अधिक छात्र अध्ययन कर रहे हैं। संस्कृत विद्यालयों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए, कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों को कंप्यूटर शिक्षा और एनसीईआरटी की पुस्तकें प्रदान की जा रही हैं। राज्य में लगभग 200 गुरुकुल संस्कृत स्कूलों में 4,000 से अधिक छात्रों को मुफ्त भोजन और छात्रावास की सुविधा प्रदान करने का भी निर्णय लिया गया है।

भारत में पिछले 4 हफ्तों में कोरोना पॉजिटिविटी दर साढ़े तीन गुना बढ़ी

नई दिल्ली । भारत में कोरोना संक्रमण के मामलों में पिछले 4 हफ्तों में कोरोना से पॉजिटिविटी दर साढ़े तीन गुना बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। पॉजिटिविटी दर अर्थात जितने भी टेस्ट हो रहे हैं उनमें से कितने पॉजिटिव मामले आ रहे हैं, उसे कहा जाता है। देश में कोरोना के मामलों के सारे रिकॉर्ड शनिवार को टूट गए और पिछले 24 घंटे में 1,52,879 नए मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही देश में संक्रमितों का कुल आंकड़ा बढ़ कर 1.33 करोड़ हो गया है। वहीं मृतकों का कुल आंकड़ा 1.69 लाख हो गया है।

विहिप ने कहा- बंगाल में मारे गए बिहार के पुलिसकर्मी के हत्यारों को मिले फांसी की सजा

नई दिल्ली।

चोरी के केस में छापामारी करने गए बिहार के पुलिसकर्मी अश्वनी कुमार की पश्चिम बंगाल सीमा में हुई हत्या पर विश्व हिंदू परिषद ने आक्रोश जताया है। विश्व हिंदू परिषद ने हत्यारों को फांसी की सजा की मांग करते हुए बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से बाहर करने का मुद्दा उठाया। किशनगंज थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार टीम के साथ किशनगंज से सटे बंगाल के बनतापारा में छापा मारने गए थे जहां उन्हें भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा है कि पश्चिमी बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर जिले के पंजीपारा थाना क्षेत्र के पंथापड़ा गांव में हुई यह नृशंस वारदात, पहली घटना नहीं है। बंग्लादेशी घुसपैठियों, शराब व तस्करी के लिए कुख्यात इस क्षेत्र में पहले भी अनेक बार सुरक्षा बलों पर हमले हुए हैं। किन्तु, बंगाल के स्थानीय पुलिस-प्रशासन की उदासीनता व राजनैतिक संरक्षण के चलते यह क्षेत्र अपराधियों का स्वर्ग बन चुका है। आतंकियों के स्लीपर सेल बनकर भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए भी खतरा हैं। इन हत्यारों, अपराधियों तथा अवैध घुसपैठियों की इन गतिविधियों पर पूर्ण विराम जरूरी है। विश्व हिंदू परिषद के महामंत्री परांडे ने कहा कि बिहार का सीमावर्ती जिला होने के कारण अपराधी बिहार में कांड कर आसानी से बंगाल में शरण ले लेते हैं और यदि वहां की पुलिस जांच के लिए जाती है तो वे उस पुलिस पार्टी के जानी दुश्मन बन जाते हैं। थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार के बलिदान पर उनके परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए विहिप महामंत्री ने यह भी कहा कि अब इन बंग्लादेशी घुसपैठियों को चुन-चुन कर सीमा पार किया जाना तथा उनके राजनैतिक संबंधों को सार्वजनिक किया जाना भी नितांत आवश्यक है।

सोनू सूद टीकाकरण के लिए बने पंजाब के ब्रांड एंबेसडर

चंडीगढ़।

प्रवासियों के मसीहा सोनू सूद को कोविड टीकाकरण कार्यक्रम के लिए पंजाब सरकार का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है।मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने सोनू सूद से मुलाकात के एक दिन बाद यह घोषणा की। मुख्यमंत्री ने उन्हें अपने आवास पर बुलाया था।मुख्यमंत्री ने कहा, वैक्सीन लेने के लिए लोगों को प्रेरित करने और प्रभावित करने के लिए इनसे अधिक कोई उपयुक्त नहीं है। पंजाब में लोगों के बीच बहुत झिझक है। सोनू की लोकप्रियता और हजारों प्रवासियों की मदद करने में उनकी अनुकरणीय भूमिका की सराहना घर-घर होती है। उन्होंने कहा, जब लोग इस पंजाब दा पुत्तर से टीके के लाभों के बारे में ,तो वे उस पर विश्वास करेंगे। क्योंकि लोग उनपर भरोसा करते हैं।सोनू ने कहा कि वह इस जीवन रक्षक उत्पाद के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने से खुश और सम्मानित हैं। उन्होंने कहा, मैं अपने गृह राज्य के लोगों के जीवन की रक्षा के लिए पंजाब सरकार के इस विशाल अभियान में भूमिका निभाते हुए धन्य महसूस कर रहा हूं। इस अवसर पर, सोनू ने मुख्यमंत्री को अपनी पुस्तक आई एम नो मसीहा भेंट की, जिसमें उन्होंने कहा कि पंजाब के मोगा शहर से मुंबई तक की उनकी यात्रा के अनुभवों को कैद किया। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में मानता हूं कि मैं कोई सेवियर नहीं हूं। मैं सिर्फ एक इंसान हूं जो भगवान की बड़ी योजनाओं में अपना छोटा सा हिस्सा निभा रहा है। यदि मैं इस प्रक्रिया में किसी भी तरीके से किसी भी जीवन को छू सकता हूं, तो मैं केवल यह कह सकता हूं - भगवान ने आशीर्वाद दिया है मुझे, वह मेरा कर्तव्य पूरा करने के लिए मेरा मार्गदर्शन कर रहा है।

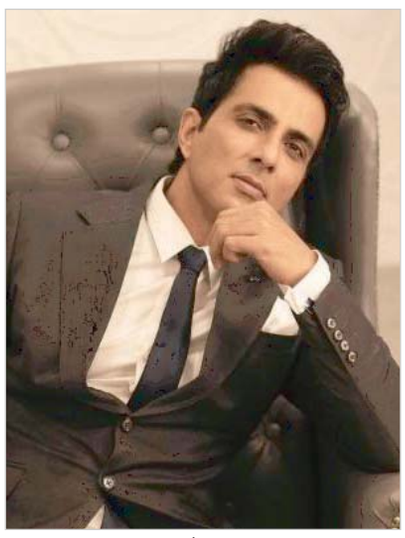

मुख्यमंत्री खट्टर के बडौली आगमन का विरोध - संयुक्त किसान मोर्चा

नई दिल्ली।

संयुक्त किसान मोर्चा ने किसान आंदोलन के दौरान देश भर में तीन काले कानूनों का समर्थन करने वाली बीजेपी और इसके सहयोगी दलों के नेताओं का बहिष्कार करने का आह्वान किया हुआ है। इसी तर्ज पर आज सिंधु बॉर्डर पर सर्वजातीय अंतिल खाप के धरना स्थल पर हवा सिंह की प्रधानी में एक सर्वजातीय सर्वखाप पंचायत का आयोजन हुआ। इस पंचायत में संयुक्त किसान मोर्चा के सभी प्रमुख नेता भी उपस्थित रहे, वहीं पंचायत में सर्वसम्मति से यह फैसला हुआ कि, 14 अप्रैल को राई हलके के गांव बडौली में मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर के आने का पुरजोर और शांतिपूर्वक विरोध किया जायेगा। दूसरी ओर पंचायत ने यह स्पष्ट किया कि, हमारा विरोध बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण से नहीं है। मुख्यमंत्री को छोड़कर और कोई भी इस प्रतिमा का अनावरण करे तो किसानों को कोई ऐतराज नहीं है।इस दौरान अंतिल, मलिक, कोहाड़, छिल्कर, कादियान, चहल, दहिया खाप ने एक सुर में कहा कि, हरयाणा के मुख्यमंत्री खट्टर का हैलीकॉप्टर बडौली में नहीं उतरने देंगे।वहीं भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि, बाबा साहेब अम्बेडकर के संविधान को तार- तार करने वालों को अम्बेडकर साहब की मूर्ति का अनावरण नहीं करने देंगे, कोई दलित महिला से कराया जाय बाबा साहब की मूर्ति का अनावरण। संयुक्त किसान मोर्चा ने इस फैसले का समर्थन किया और इसमें पूरा सहयोग देने की घोषणा भी की है। मोर्चे ने यह स्पष्ट किया कि 14 अप्रैल के दिन हरियाणा में यह विरोध केवल मुख्यमंत्री खट्टर और उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के कार्यक्रमों तक सीमित रहेगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)